आज का विचार

दुनिया में सिर्फ दिल ही है जो बिना आराम किए काम करता है इसलिए उसे खुश रखो चाहे वो अपना हो या अपनों का।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । बुधवार, 3 सितंबर, 2025 वर्ष 23, अंक 216, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया

संवाददाता
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया-2025' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने देश-विदेश के सेमीकंडक्टर उद्योग के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उनके सहयोगियों की उपस्थिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न देशों से आए विशिष्ट अतिथियों, स्टार्ट-अप से जुड़े उद्यमियों और देश भर के विभिन्न राज्यों से आए युवा छात्रों का स्वागत किया।

श्री मोदी ने कहा कि वे कल रात ही जापान और चीन की अपनी यात्रा से लौटे हैं और आज आकांक्षाओं और आत्मविश्वास से परिपूर्ण यशोभूमि के इस परिसर में दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। हमेशा से स्वाभाविक और सर्वविदित प्रौद्योगिकी के प्रति अपने जुनून का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में अपनी जापान यात्रा के दौरान, उन्हें जापानी प्रधानमंत्री श्री शिगेरु इशिबा के साथ टोक्यो इलेक्ट्रॉन कारखाने का दौरा करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि उस कंपनी के सीईओ आज दर्शकों के बीच उपस्थित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के प्रति उनका झुकाव उन्हें बार-बार ऐसे लोगों के बीच लाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दर्शकों के बीच उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

दुनिया भर के 40 से 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों की उपस्थिति को देखते हुए, श्री मोदी ने कहा कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से उपस्थित है। उन्होंने कहा कि यह

अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है, दुनिया भारत में विश्वास करती है और दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया में उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वे एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

हाल ही में जारी इस वर्ष की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार फिर, भारत ने हर आशा, हर अनुमान और हर पूवार्नुमान को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जहां दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक निज स्वार्थ से प्रेरित चिंताओं और चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहीं भारत ने 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। श्री मोदी ने कहा कि यह वृद्धि सभी क्षेत्रों–विनिर्माण, सेवा, कृषि और निर्माण–में दिखाई दे रही है और हर क्षेत्र में उत्साह साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि भारत का त्वरित विकास सभी उद्योगों और प्रत्येक नागरिक में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की यह गति भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर कर रही है। भारत की त्वरित गति से प्रगति का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने याद दिलाया कि वर्ष 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुभारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 तक, भारत का पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र स्वीकृत हो चुका है। वर्ष 2024 में कई और संयंत्रों को स्वीकृति मिल गई है और वर्ष 2025 में पांच अतिरिक्त परियोजनाओं को स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं, जिनमें अठारह अरब डॉलर से अधिक यानी 1.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश शामिल है। प्रधानमंत्री ने बल देते कहा कि यह भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दशार्ता है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, श्री जितिन प्रसाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरियाणा सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता मदद के लिए तैयार

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पाँच-पाँच करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की है। इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य और मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक शीघ्र और पर्याप्त सहायता पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की

- प्राकृतिक आपदा से प्रभावित पंजाब व जम्मू-कश्मीर को हरियाणा सरकार की ओर से पाँचझ्रपाँच करोड़ की सहायता राशि की जारी
- अतिरिक्त राहत सामग्री भी तुरंत उपलब्ध करवाने का दिया आश्वासन

आवश्यकता हो तो निःसंकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान को पत्र लिखकर आपदा की इस घड़ी में मानवता और भाईचारे के नाते हरियाणा सरकार की ओर से सहयोग की पेशकश की थी।

सिंचाई व्यवस्था होगी मजबूत, 315 करोड़ से होगा माइनरों का कायाकल्प

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं कारगर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की एक अहम बैठक में राज्य में माइनर्स के व्यापक रीमॉडलिंग (पुनर्निर्माण एवं सुधार) कार्य योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके तहत लगभग 54 अलग - अलग परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा और इस पूरी परियोजना पर लगभग 315 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत नहरों की गहराई, चौड़ाई एवं ढांचे को आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि सिंचाई जल की आपूर्ति समय पर और पर्याप्त रूप से किसानों तक पहुँच सके। इस पूरी परियोजना के तहत विभिन्न नहरी सर्कलों के तहत 30 कैनाल का पुनर्वास तथा 24 कैनाल की रिमॉडलिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की फसलों को पर्याप्त सिंचाई जल मिलेगा, भूमिगत जल स्तर पर दबाव कम होगा और प्रदेश में कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर भी काबू पाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और माइनरों के लेवल में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। बैठक में जानकारी दी गई कि यमुना वाटर सर्विस सर्कल, भिवानी के तहत 41 परियोजनाओं, यमुना वाटर सर्विस सर्कल, करनाल के तहत 1 तथा यमुना वाटर सर्विस सर्कल, रोहतक के तहत 2 परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार लोहारू वाटर सर्विस सर्कल भिवानी के अंतर्गत 7 परियोजनाओं और जवाहर लाल नेहरू सर्कल रेवाड़ी के तहत 3 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इन कार्यों को नाबार्ड की सहायता से क्रियान्वित किया जाएगा। इन परियोजनाओं के तहत माइनरों के किनारों को मजबूत और ऊँचा करना, लाइनिंग की मरम्मत व पुनर्वास, पाइपलाइन बिछाना, हेड रेगुलेटर, साइफन, पुलिया और आउटलेट की मरम्मत इत्यादि कार्यों को किया जाएगा, जिससे लीकेज खत्म होगी और पानी की बचत भी होगी तथा संभावित क्षेत्रों तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इनसे भिवानी, रोहतक, जींद, चरखी दादरी, रेवाड़ी, सोनीपत और करनाल जिलों को लाभ मिलेगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री सी.जी. रजीनीकांथन आदि अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 30 हुई, 20 हजार को सुरक्षित निकाला

अब तक 3.54 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि पंजाब हाल के दशकों की सबसे बड़ी बाढ़ों में से एक का सामना कर रहा है, जिसमें 23 जिले बाढ़ की चपेट में आने से 30 लोगों की जान गई है और 3.54 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कैबिनेट मंत्री ने मंगलवार की रात बताया कि अब तक निचले और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 19,597 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें गुरदासपुर से (5581 व्यक्ति), फिरोजपुर (3432), अमृतसर (2734), फाजिल्का (2422), होशियारपुर (1615), कपूरथला (1428) और पठानकोट (1139) शामिल हैं। इसके अलावा बरनाला (369), जालंधर (474), रूपनगर (65), मानसा (163), मोगा (115) और तरन तारन से (60) लोगों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित परिवारों को आश्रय और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए पंजाब में 174 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। इनमें बरनाला में 29 शिविर, पटियाला में 26, गुरदासपुर में 25, होशियारपुर में 20, अमृतसर में 16, पठानकोट में 14, फाजिल्का में 10, मोगा में 9, फिरोजपुर और जालंधर में 8-8, कपूरथला में 4, रूपनगर में 3 और मानसा व संगरूर में 1-1 शिविर शामिल हैं।

इस समय इन शिविरों में 5167 लोग रह रहे हैं, जिनमें से सबसे अधिक होशियारपुर (1041 व्यक्ति), फाजिल्का (1304), फिरोजपुर (706), गुरदासपुर (424), अमृतसर (371), बरनाला (369) और जालंधर (474) के हैं। इसके अलावा मानसा के 163, मोगा के 115, संगरूर के 60, कपूरथला के 57, पठानकोट के 48 और रूपनगर के 35 लोग शामिल हैं।

गांवों के नुकसान के बारे में स. मुंडियां ने बताया कि कुल 1400 गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं। इनमें सबसे अधिक प्रभावित गुरदासपुर जिले के (324 गांव), अमृतसर (135), होशियारपुर (119), कपूरथला (115), मानसा (108), फिरोजपुर (93), पठानकोट (82), फाजिल्का (72), जालंधर (62) और तरन तारन (66) गांव हैं। इसके अलावा मोगा के 48 गांव, रूपनगर के 44, बरनाला के 34, लुधियाना के 26, श्री मुक्तसर साहिब के 23, पटियाला के 16, फरीदकोट के 15, संगरूर के 13 और मलेरकोटला के 5 गांव प्रभावित हुए हैं।

सभी जिलों में बाढ़ से कुल 3,54,626 की आबादी प्रभावित

स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि बाढ़ के कारण पंजाब के 13 जिलों में कुल 3,54,626 की आबादी प्रभावित हुई है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में गुरदासपुर में 1,45,000 लोग, अमृतसर में 1,17,534, फिरोजपुर में 38,112 और फाजिल्का में 21,562 लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य जिलों में पठानकोट में 15,053, कपूरथला में 5748, एस.ए.एस. नगर में 7000, होशियारपुर में 1960 और जालंधर में 991 लोग प्रभावित हुए हैं। कम प्रभावित जिलों में बरनाला (403), मोगा (800), रूपनगर (300) और मानसा (163) लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 1,48,590 हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसल को नुकसान पहुँचा है। इनमें सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में गुरदासपुर (40,193 हेक्टेयर), मानसा (27,291), अमृतसर (23,000), कपूरथला (14,934), फिरोजपुर (14,665) और तरन तारन (11,883 हेक्टेयर) शामिल हैं। इसके अलावा होशियारपुर (5971), जालंधर (3000) और पठानकोट (2442) हेक्टेयर भी प्रभावित हुए। इसी तरह एस.ए.एस. नगर (2000), पटियाला (1450), मोगा (949), रूपनगर (300), फरीदकोट (141), लुधियाना (108), बठिंडा (97), श्री मुक्तसर साहिब (84), फाजिल्का (64), एसबीएस नगर (7), मलेरकोटला (5), संगरूर (3), बरनाला (2) और फतेहगढ़ साहिब में (1) हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुँचा है।

बीमारी एवं चोट के चलते देश में हर साल 35 हजार लोग अपने आंखों की रोशनी गंवा देते हैं: एम्स

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

देश में गंभीर बीमारी के चलते अथवा चोट लगने के कारण प्रतिवर्ष लगभग 35 हजार लोग अपने आंखों की रोशनी गंवा देते हैं। इनमें बच्चों और वयस्कों की संख्या सर्वाधिक होने से जहां बच्चों की शिक्षा बाधित होती है। वहीं, कामकाजी लोगों के रोजगार पर दुष्प्रभाव पड़ता है और देखभाल करने वालों पर वित्तीय एवं भावनात्मक दबाव बढ़ जाता है। यह जानकारी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर और राष्ट्रीय नेत्र

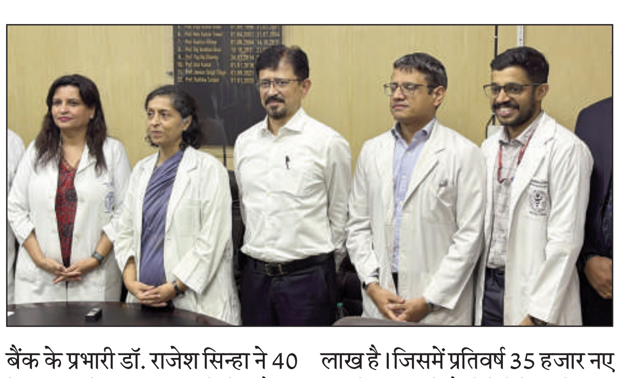

बैंक के प्रभारी डॉ. राजेश सिन्हा ने 40 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत में कॉर्नियल अंधता के शिकार लोगों की संख्या करीब 12 लाख है। जिसमें प्रतिवर्ष 35 हजार नए मामले जुड़ जाते हैं। ऐसे में देश को बड़ी संख्या में कॉर्निया की जरुरत है जिसे नेत्रदान के जरिये पूरा किया जा सकता है। इसके लिए एम्स दिल्ली समाज में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहा है और व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। डॉ. सिन्हा ने कहा कि 12 लाख से अधिक नेत्रहीनों को कॉर्नियल अंधता से निजात दिलाने के लिए प्रतिवर्ष कम से कम एक लाख कॉर्नियल प्रत्यारोपण जरुरी है, लेकिन नेत्रदान को लेकर जागरूकता के अभाव में प्रतिवर्ष 60 से 70 हजार कॉर्निया ही देशभर से दान में मिल पाते हैं और इनमें से करीब 60 प्रतिशत ही उपयोग करने के लायक होते हैं। हालांकि, राष्ट्रीय नेत्र बैंक की कॉर्निया प्रत्यारोपण सफलता दर 85 प्रतिशत वार्षिक है।

बैंकिंग क्षेत्र का भारत की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका : द्रोपदी मुर्मू

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को चेन्नई में आयोजित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के दौरान बैंकिंग क्षेत्र की उपलब्धियों और संभावनाओं पर विचार प्रकट किये। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और बैंकिंग उद्योग देश के विकास की गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैंकों की भूमिका वित्तीय लेन-देन से कहीं

आगे तक विस्तृत हो गई है। आज बैंक केवल धन के संरक्षक नहीं, बल्कि वे विविध वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं। वे समावेशी और सतत विकास में भी सहायक हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सशक्त आर्थिक परिदृश्य में लोगों की आकांक्षाएं व्यापक रूप से बढ़ी हैं। देश के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक वित्तीय समावेशन है, जिसका अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक की किफायती वित्तीय सेवाओं तक पहुंच हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिटी यूनियन बैंक जैसे अन्य बैंक भी अपनी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में, एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहती है, जहां बैंकिंग तक सीमित पहुंच है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिटी यूनियन बैंक ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने संसदीय क्षेत्र के कार्यकताओं और नेताओं की बैठक को किया संबोधित

किसी भी बीमार व्यक्ति की सेवा मेरे लिए राजनीति से ऊपर : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में मेरे पास स्वेच्छानुदान एक बड़ा माध्यम था लोगों की मदद के लिए। जब भी किसी मरीज को ज्यादा पैसों की जरूरत होती थी, तो मैंने किसी से मांगकर भी उसकी व्यवस्था कराई। बीमार व्यक्ति की सेवा मेरे लिए राजनीति से ऊपर है। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा, खासकर इलाज के समय, हर जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता का नैतिक कर्तव्य है। शिवराज ने कहा कि चाहे कोई बूथ स्तर का कार्यकर्ता हो या गांव का सामान्य निवासी, अगर वह संकट में है, तो उसकी मदद करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज मंगलवार को राजधानी भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में 'सांसद खेल महोत्सव' के आयोजन के लिए विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र के कार्यकताओं और नेताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जनसेवा, विशेषकर बीमारों की मदद को अपनी प्राथमिकता बताया। इस बैठक में मंत्री करण सिंह वर्मा, विधायक रमाकांत भार्गव, हरि सिंह सप्रे, हरि सिंह रघुवंशी, आशीष शर्मा समेत सीहोर और रायसेन जिलों के भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिवराज ने सभी कार्यकताओं से जनसेवा को ही अपना सबसे बड़ा उद्देश्य मानने का आह्वान किया।

केंद्रीय ने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तो स्वेच्छानुदान मेरे पास एक बड़ा साधन था। लेकिन अब भी जब जरूरत पड़ी और इलाज के लिए ज्यादा पैसे लगे, तो मैंने किसी से मांगकर भी व्यवस्था कराई। मेरा मानना है कि किसी भी हालत में मरीज का इलाज रुकना नहीं चाहिए, चाहे कुछ भी करना पड़े। केंद्रीय कृषि मंत्री ने आगे कहा कि हमारा परम कर्तव्य है कि यदि हमारे संसदीय क्षेत्र में कोई गंभीर रूप से बीमार है और इलाज कराने में असमर्थ है, तो हम उसे हर हाल में इलाज दिलाएं। ऐसा कभी न हो कि कोई यह कहे कि काश मेरे पास पैसे होते तो हम पूरी ताकत से उसकी मदद में लगेंगे और उसे बचाएंगे।

बैठक के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रेरक घटना सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक छोटी सी लेकिन बहुत प्रेरक घटना बताता हूं। भेरुंदा या लाड़कुई मंडल के सुकरवास गांव में महेन्द्र मेहरा नाम के 15-16 साल के एक बच्चे का एक्सीडेंट हो गया। उसके पिता बेहद गरीब थे। उस वक्त मैं दिल्ली और कर्नाटक के दौरों पर था। जब बच्चे को अस्पताल में भर्ती किया गया, तो इलाज का बिल 5 लाख से ज्यादा हो गया। इतने पैसे किसी माध्यम से तुरंत नहीं आ सकते थे। ऐसे में गांव के लोगों ने फैसला किया कि जितना बन सके, चंदा देंगे। किसी ने 10 रुपये दिए तो किसी ने 21 हजार तक। इस तरह पूरे गांव ने मिलकर करीब 2 लाख रुपये इकट्ठा कर लिए। शिवराज ने कहा कि मैं उस गांव को प्रणाम करता हूं, क्योंकि आमतौर पर लोग केवल मौखिक सहानुभूति दिखाते हैं, लेकिन जब पैसे देने की बात आती है तो पीछे हट जाते हैं। लेकिन इस गांव ने सच में इंसानियत दिखाई, चंदा जुटाया, कोशिश की, और मुझे भी फोन किया। उन्होंने आगे कहा कि जब मुझे पता चला कि इलाज के लिए 5 लाख रुपये से ज्यादा की जरूरत है, तो मैंने दिल्ली से ही अस्पताल से बात की। मैं ये सोचकर आया था कि चाहे जो हो जाए, बच्चे को हर हाल में बचाना है। जब गांव वाले इतनी मेहनत कर रहे हैं, तो मुझे भी किसी भी स्रोत से पैसे लाकर मदद करनी ही होगी। यही भावना लेकर मैं आया था।

शिवराज सिंह ने कहा कि मैंने अस्पताल जाकर पूछा कि क्या बच्चे के पास आयुष्मान कार्ड है? जब उन्होंने बताया कि है, तो मैंने सवाल किया कि फिर इसका उपयोग क्यों नहीं हो रहा। जवाब मिला कि अगर केवल एक फ्रैक्चर होता तो कार्ड चल जाता, लेकिन इसमें मल्टीपल फ्रैक्चर हैं। उन्होंने आगे बताया कि मैंने तुरंत आयुष्मान योजना के जिम्मेदार अधिकारी को फोन लगाया। बातचीत के बाद कार्ड को स्वीकृति मिली और 5 लाख रुपये तक की राशि की तत्काल व्यवस्था हो गई। इसके बाद गांववालों के इकट्ठे किए पैसे वापस कर दिए गए। लेकिन उन्होंने पैसा लेने से इनकार कर दिया और कहा कि अब ये रकम बच्चे के खाते में ही जमा कर दी जाए।

हिमाचल में आर्थिक संकट के लिए पूर्व भाजपा सरकार जिम्मेदार : सुखविंदर सिंह सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि हिमाचल प्रदेश आज जिस आर्थिक संकट से गुजर रहा है, उसके लिए पूरी तरह पूर्व भाजपा सरकार जिम्मेदार है। नियम 130 के तहत विधायक केवल सिंह पठानिया द्वारा आय के संसाधन जुटाने पर लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने अंतिम वर्ष में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त उपहार और सब्सिडी के नाम पर 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना जरूरत के शैक्षणिक एवं अन्य संस्थान खोले गए और औद्योगिक घरानों को प्रदेश की बहुमूल्य संपदा औने-पौने दामों में बांट दी गई।इसके बावजूद भाजपा चुनाव हार गई और जनता ने उसे नकार दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज भाजपा पांच गुटों में बंटी है और उसके नेता अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान निवेश में भारी कमी आई। उस समय एक विशेष पैकेज बनाकर उद्योगों को केवल एक करोड़ रुपये में 5,000 बीघा जमीन और पंजीकरण शुल्क में पूरी छूट दे दी गई थी। इससे राज्य को बड़ा घाटा हुआ, जबकि उनकी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन के तहत सुशासन स्थापित किया और इसके नतीजे आज हर क्षेत्र में दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस सरकार को भाजपा से 76,000 करोड़ रुपये का कर्ज.विरासत में मिला है।पुराने कर्ज.चुकाने के लिए ही उन्हें नए कर्ज.लेने पड़ रहे हैं। भाजपा सरकार को जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में पांच साल में 16,000 करोड़ रुपये मिले थे, जबकि अब यह घटकर केवल 3,000 करोड़ रुपये रह गया है।इसी तरह 15वें वित्त आयोग द्वारा दिया जाने वाला राजस्व घाटा अनुदान भी भाजपा कार्यकाल के 10,000 करोड़ रुपये से घटकर 3,000 करोड़ रुपये पर आ गया है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को 1,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज. लेने से रोक दिया है क्योंकि प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश के हितों से समझौता नहीं करेगी। किशाऊ बांध परियोजना पर तभी बातचीत होगी जब हरियाणा सरकार बीबीएमबी के 4,400 करोड़ रुपये बकाया भुगतान पर हलफनामा देने को तैयार होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने कई अहम फैसले किए हैं। शराब की बोतल पर 10 रुपये का दूध उपकर लगाया गया, तीन रुपये प्रति किलो के हिसाब से गाय का गोबर खरीदा जा रहा है। जनता के आग्रह पर 23,000 उपभोक्ताओं ने बिजली सब्सिडी छोड़ दी है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में शराब की दुकानों के नवीनीकरण से 487 करोड़ रुपये की आय हुई थी, जबकि उनकी सरकार में केवल दो वर्षों में नीलामी से 629 करोड़ रुपये की आय हुई।

सुक्खू ने सदन में कहा कि आने वाले दिनों में कई विभागों का युक्तिकरण और कुछ विभागों का विलय किया जाएगा। वर्तमान में अधिकांश विभागों में ऊपरी स्तर पर अधिकारी अधिक हैं, लेकिन निचले स्तर पर कर्मियों की कमी है।इसे भी सुधारा जाएगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने जनता को निराश किया, भाजपा बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है: सुनील शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।इस दौरान उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक डॉ. नरेंद्र सिंह, जम्मू उत्तर के विधायक शाम लाल शर्मा और रामगढ़ के विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल भी मौजूद थे। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता बलबीर राम रतन भी उपस्थित थे।सुनील शर्मा ने लगातार बारिश, बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से हुई व्यापक तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसने जम्मू क्षेत्र में सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह आपदा 14 अगस्त को चशोती गाँव में बादल फटने से शुरू हुई, उसके बाद 16 अगस्त को कठुआ में एक और आपदा आई और 24 से 26 अगस्त तक लगातार बारिश के कारण यह और भी विकराल हो गई, जिससे जम्मू, सांबा, उधमपुर, रियासी और अन्य जिलों में भारी तबाही हुई। भाजपा प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, शर्मा ने कहा, भाजपा नेता और विधायक लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और बचाव एवं राहत कार्यों में भाग ले रहे हैं। यह कोई उपकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है।₹ उन्होंने आगे कहा कि भाजपा प्रतिनिधियों ने लगातार जनता की चिंताओं को सरकार के समक्ष उठाया है और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित राहत उपाय सुनिश्चित किए हैं।

हालाँकि, शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार की गंभीरता की कमी और अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए कड़ी आलोचना की और उनके प्रयासों को केवल ₹दिखावटी₹ और ₹दिखावा₹ करार दिया।इसके विपरीत शर्मा ने माता वैष्णो देवी मार्ग त्रासदी में समय पर बचाव कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई गई त्वरित और प्रतिबद्ध प्रतिक्रिया के लिए केंद्र सरकार और उपराज्यपाल प्रशासन की प्रशंसा की।उन्होंने याद दिलाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया था और अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने सेना, पुलिस, सीएपीएफ और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर जमीनी हालात का व्यक्तिगत रूप से जायजा लिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने एक व्यापक राहत रणनीति तैयार करने के लिए प्रभावित परिवारों, स्थानीय विधायकों और भाजपा नेताओं से भी मुलाकात की। तत्काल उपायों की रूपरेखा बताते हुए, शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने विधायकों और वरिष्ठ नेताओं को 4-6 सितंबर को प्रभावित परिवारों से बातचीत करने, 9 सितंबर को चिकित्सा शिविर आयोजित करने और 10-11 सितंबर को स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

मंडी की ग्राम पंचायत मैहरन में एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

एचआईवी जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करसोग की ग्राम पंचायत मैहरन में एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सिविल अस्पताल करसोग की आईसीटीसी काउंसलर नंदा शर्मा ने महिलाओं और युवाओं को एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण और बचाव उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि एचआईवी मुख्यतः असुरक्षित यौन संबंध, दूषित रक्त चढ़ाने, नशे के दौरान एक ही सिरिंज का उपयोग तथा संक्रमित माँ से शिशु में फैलता है। उन्होंने इस बीमारी के लक्षण भी लोगों को बताए।बचाव के उपायों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोग हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाएं, रक्त चढ़ाने से पहले उसकी जांच करवाएं, केवल नई और स्टरलाइज्ड सुई का ही प्रयोग करें तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अवश्य करवाएं।

नंदा शर्मा ने कहा कि नशे की लत, विशेषकर चिट्टा जैसे खतरनाक मादक पदार्थ, युवाओं को एचआईवी संक्रमण की ओर धकेल रहे हैं। युवाओं को इससे विशेष रूप से सतर्क रहने कर आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में किसी भी संक्रमित व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि संक्रमित व्यक्ति के साथ सहानुभूति और सहयोग का व्यवहार करना चाहिए।

प्रदेश सरकार द्वारा इस अभियान के अंतर्गत 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक प्रदेश के लगभग 6 हजार गांवों और 1500 शिक्षण संस्थानों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें अंतर्गत ही यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं आईआरबी सकोह के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला एवं द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन सकोह के बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान, खेल, कला एवं मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय और बटालियन के बीच विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त दोनों संस्थान संयुक्त रूप से सेमिनार, कार्यशालाएं, खेल प्रतियोगिताएं तथा सामाजिक कल्याण से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित करेंगे। केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलपति प्रो. (डा) सतप्रकाश बंसल की उपस्थिति में द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन सकोह के समादेशक डॉ. खुशहाल शर्मा एंव केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलसचिव प्रो. (डा) नरेंद्र कुमार सांख्यान ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों ही संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों व प्रतिनिधियों ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर सहयोग और साझेदारी की इस पहल का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान डा. खुशहाल शर्मा ने कहा कि यह समझौता न केवल शैक्षणिक और पेशेवर कौशल के विकास में सहायक होगा बल्कि पुलिस बल एवं विश्वविद्यालय समुदाय के बीच सहयोग और संवाद की नई संभावनाएं भी खोलेगा।

संक्षिप्त-समाचार

सुंदरनगर में भूस्खलन से दो मकान दबे, 2 की मौत तीन की तलाश

मंडी। मंडी जिले के सुंदरनगर के जंगमबाग में पहाड़ दरकने से मलबे की चपेट में दो घर आ गए जिससे मां और बेटी की मौत हो गई जबकि तीन लोगों की तलाश जारी है। ये हादसा करीब 6 बजे हुआ और उसके बाद रेस्क्यू के लिये प्रशासन आधे घंटे बाद पहुंचा। अभी भी तीन लोग मलबे में दबे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय लोगों ने एक अढाई वर्ष की बेटी कीरत और उसकी मां भारती को मलबे से निकलकर अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत बताया। घटना के बाद मलबे में दबे तीन अन्य भारती के पति सोनू और उनकी माता सुरेंद्र कौर की तलाश जारी है। जबकि एक अन्य मकान में दबी 65 वर्षीय शांति देवी की भी तलाश की जा रही है। प्रशासन युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाए हुए है। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जैसे ही पहाड़ से भूस्खलन हुआ तो उस समय काफी लोग आसपास थे जिन्होंने भागकर जान बचाई। प्रशासन ने अभी सिर्फ दो मौत की पुष्टि की है।

नाहन नगर की पेयजल योजना धौण में भूस्खलन से मुख्य लाइन क्षतिग्रस्त, 4 दिन से स्टाफ नहीं गया घर , मुरम्मत का कार्य दिन-रात जारी

नाहन। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश और जगह-जगह हो रहे भूस्खलन ने नाहन की जीवनरेखा मानी जाने वाली गिरी उठाऊ पेयजल योजना के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। इसके बावजूद, जल शक्ति विभाग का स्टाफ अपनी जान जोखिम में डालकर शहर को पानी पिलाने में जुटा हुआ है। धौण गाँव के पास हुए भारी भूस्खलन ने गिरी उठाऊ पेयजल योजना की मुख्य पाइपलाइन को जगह-जगह से बुरी तरह क्षतिग्रस्तहुई है और विभाग के कर्मचारी किस तरह जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। धौण में लैंडस्लाइड वाली जगह पर अधिकारी और तकनीकी टीमें अस्थाई टेंट लगाकर मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। अधीक्षण अभियंता राजीव महाजन ने बताया कि विभाग इस समय पूरी तरह से आपदा के बीच पेयजल की चुनौती से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस जगह मुख्य लाइन टूटी हुई है, वहाँ वेल्डिंग कर लाइन ठीक कर दी जाती है, मगर लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण वह फिर से टूट जाती है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जल्द ही पेयजल व्यवस्था को पूरी तरह बहाल कर दिया जाएगा।

तहसील बनी बसोहली और बिलावर में भारी बारिश के कारण स्थिति गंभीर, कठुआ बसोहली बनी मार्ग वाया लखनपुर एक महीने से बंद

कठुआ। कठुआ जिले की पहाड़ी तहसील बनी बसोहली और बिलावर में भारी बारिश के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। नदियों नालों के जलस्तर में वृद्धि के कारण कई रास्ते बंद हो गए हैं और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन हालात पर कड़ी नजर रखे हुए है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है। कठुआ में मंगलवार को दिनभर हुई बारिश से जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में कई जगहों पर भरी नुकसान, रास्ते बंद आदि की खबरे आई हैं। भारी बारिश से बनी-बसोहली मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण बनी बसोहली सड़क संपर्क टूट चुका है। वहीं पिछले एक महीने से कठुआ बसोहली वाया लखनपुर सड़क पूरी तरी से बंद है। बसंतपुर के समीप हाल ही में बने नए पुल के पास सड़क टूट चुकी है जिससे लखनपुर के रास्ते बनी-बसोहली और बिलावर जाने वाली सड़क बंद पड़ी है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

5,000 लोगों की जान बचाई, राहत पहुँचाई, भारतीय सेना ने बेजोड़ प्रतिबद्धता का परिचय दिया: डॉ. महोत्रा

जम्मू। भारतीय सेना की व्यावसायिकता और मानवीय प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए, जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने कहा कि हाल ही में जम्मू, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हुई लगातार बारिश, बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के दौरान भारतीय सेना की पश्चिमी कमान ने व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के तहत 5,000 से ज्यादा नागरिकों को बचाया और प्रभावित आबादी को दसियों टन राहत सामग्री वितरित की। कि इस वीरतापूर्ण प्रयास ने एक बार फिर न केवल युद्ध में, बल्कि शांति और आपदा के समय में भी, जीवन रक्षक और राष्ट्र रक्षक के रूप में सेना की बेजोड़ भूमिका को रेखांकित किया है।

आपदा प्रभावितों के लिए कुटलैहड़ सेवा संगठन ने बढ़ाये मदद के हाथ, पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर हरदम लोगों के बीच

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

प्रदेश में हुई भारी बरसात ने हिमाचल प्रदेश में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा से कोई भी जिला अछूता नहीं रहा। ऊना जिला की कुटलैहड़ विधानसभा भी इस त्रासदी की चपेट में आई, जहां कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ग्राम पंचायत पलाहटा, थहड़ा, परोइयाँ, चंगर, घरवासड़ा आदि क्षेत्रों में अनेक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, कुछ तो पूरी तरह जमींदोज हो गए।खेत-खलिहानों को भी व्यापक हानि पहुँची है और कई लोग बेघर होकर असुरक्षित स्थिति में जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं।

ऐसे कठिन समय में राष्ट्रीय वॉलीबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष एवं कुटलैहड़ विधानसभा के पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर अपनी टीम के साथ हर प्रभावित परिवार तक पहुँच रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं और ₹कुटलैहड़ सेवा संगठन₹ के सहयोग से वे प्रभावित लोगों को न केवल राहत सामग्री और आर्थिक मदद पहुँचा रहे हैं, बल्कि प्रशासन को भी लगातार वास्तविक स्थिति से अवगत करा रहे हैं ताकि शीघ्र और ठोस कदम उठाए जा सकें।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वीरेंद्र कंवर मुश्किल की घड़ी में हमेशा जनता के बीच खड़े दिखाई देते हैं। वे सिर्फ आर्थिक सहयोग ही नहीं कर रहे, बल्कि प्रभावित परिवारों का मनोबल भी बढ़ा रहे हैं। कई स्थानों पर अभी भी खतरा बरकरार है, जिसके लिए उन्होंने प्रशासन से ठोस एवं व्यापक कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया है।

वीरेंद्र कंवर ने कहा कि इस बार बरसात ने कुटलैहड़ क्षेत्र में बहुत तबाही मचाई है। कई परिवारों ने अपना सबकुछ खो दिया है। ऐसे समय में हमारा कर्तव्य है कि हम उनके साथ खड़े हों। मैं स्वयं क्षेत्र के हर प्रभावित गांव में जाकर लोगों की समस्याएँ सुन रहा हूँ और कुटलैहड़ सेवा संगठन एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से हरसंभव सहायता सुनिश्चित कर रहा हूँ। यह कठिन घड़ी है, लेकिन हम सब मिलकर इसका सामना करेंगे और लोगों को किसी भी स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

कुटलैहड़ सेवा संगठन और भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम लगातार आपदा प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरण, आवास व्यवस्था और अन्य सहायता कार्यों में जुटी हुई है। मंगलवार को वीरेंद्र कंवर के नेतृत्व में संगठन द्वारा घरवासड़ा व घयोड़ में 8 पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई। संगठन ने सभी लोगों से अपील की है कि इस संकट की घड़ी में पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं और मानवता का परिचय दें।

देहरा के 4 स्कूलों के लिए 33 लाख रुपये की राशि स्वीकृत : कमलेश ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

कांगड़ा जिला के देहरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक कमलेश ठाकुर ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र देहरा के शिक्षा खंड देहरा के दो स्कूल, डाडासीबा के एक स्कूल जबकि परागपुर के एक स्कूल के अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्य को पूर्ण करने, अतिरिक्त कमरों के निर्माण और बाउंड्री वॉल के कार्य को पूर्ण करने के लिए 33 लाख रुपए की अग्रिम धनराशि स्वीकृत कर दी गई है।उन्होंने बताया कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुन्डीहार के लिए 2 लाख, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भटोली फकोरियां के लिए 20 लाख, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुनेहत के लिए 10 लाख और राजकीय प्राथमिक पाठशाला करोल के लिए 1 लाख रुपए की धनराशि दी गई है। मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में विधायक ने कहा कि यह अग्रिम राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के राज्य अनुदान से प्राप्त विशेष अनुदान के अंतर्गत ₹डीपीओ कांगड़ा₹ के पक्ष में स्वीकृत की गई है, जिससे शीघ्र ही निर्माण कार्यों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन कार्यों के पूर्ण होने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध होगा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा।उधर 33 लाख रुपये की राशि की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पेंद्र ठाकुर, महासचिव जिला कांग्रेस कमेटी इंद्रजीत शर्मा सहित क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक कमलेश ठाकुर का आभार व्यक्त किया।

आपदा

नहीं सुधर रहे हालात : भाखड़ा डैम के चारों फ्लड गेट खोले गए

हिमाचल में भारी बारिश का अलर्ट जारी, 5 नेशनल हाईवे और 1334 सड़कें बंद

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मॉनसून का असर मंगलवार को भी जारी रहा। शिमला में दिनभर झमाझम बारिश होती रही, वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में भी लगातार वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे यानी 3 सितंबर के लिए छह जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया है। कांगड़ा, मंडी, सिरमौर और किन्नौर में ओरेंज अलर्ट जबकि ऊना और बिलासपुर में येलो अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार 4 सितंबर से मॉनसून धीरे-धीरे कमजोर होगा और 4 से 8 सितंबर तक हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

बीते 24 घंटे में बिलासपुर जिले के नैना देवी में सर्वाधिक 200 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला जिले के रोहड़ू में 80, हमीरपुर के बड़सर में 60, कुकुमसेरी, नादौन, धर्मशाला, ऊना, करसोग, आरएल बीबीएमबी, भुंतर, सराहन, मनाली, नाहन और चुआडी में 50-50 मिमी, नंगल डैम व ऊना में 49-49, भुंतर व सराहन में 47-47, बंजार में 42 और बिलासपुर में 40 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश में परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।मंडी और कुल्लू जिलों में नेशनल हाईवे बंद रहने से कई वाहनों की दिन में लंबी कतारें लगी रहीं। किन्नौर जिले में घूमने आए केरल के पर्यटकों को प्रशासन ने सुरक्षित रूप से अवरुद्ध निगुलसरी मार्ग से शिमला के लिए रवाना किया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार शाम तक कुल पांच नेशनल हाईवे और 1334 सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी में 281, शिमला में 255, चंबा में 239, सिरमौर में 139 और सोलन में 46 सड़कें बंद हैं।कुल्लू में एनएच-3 और एनएच-305, किन्नौर में एनएच-5, मंडी में एनएच-3 और सिरमौर में एनएच-707 यातायात के लिए ठप पड़े हैं। लगातार भूस्खलन के कारण रेलवे ने कालका-शिमला हेरिटेज ट्रैक पर 5 सितंबर तक ट्रेनों की आवाजाही रद्द कर दी है।

भारी बारिश से बिजली और पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही। पूरे प्रदेश में 2180 ट्रांसफार्मर बंद हो गए हैं।सिरमौर में 443, मंडी में 373, कुल्लू में 323, शिमला में 302, चंबा में 207, सोलन में 191, हमीरपुर में 129 और लाहौल-स्पीति में 117 ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली गुल रही। प्रदेश की कुल 777 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें शिमला की 272, कांगड़ा की 212 और चंबा की 100 योजनाएं शामिल हैं।

भारी वर्षा और ऊपरी जलभराव के कारण बीबीएमबी ने भाखड़ा डैम के चारों फ्लड गेट 7-7 फीट तक खोल दिए हैं। सुबह गोविंद सागर झील का जलस्तर खतरे के निशान 1680 फीट से तीन फीट नीचे था। जलस्तर बढ़ने से बांध से पानी छोड़ने की तैयारी की गई है ताकि डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में अचानक बाढ़ की स्थिति से बचा जा सके।

सिरमौर जिले में पांवटा साहिब के पांवटा क्षेत्र में गिरी नदी उफान पर है और बांगरण गांव के कई घर खतरे में हैं। लोग देर रात से ही सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और हनुमान मंदिर परिसर तक पानी घुस चुका है।

इस बीच राज्य के उच्च पर्वतीय इलाकों में भी बर्फबारी शुरू हो गई है। मनाली की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई, वहीं लाहौल-स्पीति की स्पीति घाटी के कुंजम जोत में भी बर्फबारी हुई। इससे तापमान गिर गया और मौसम ठंडा हो गया है। खराब मौसम के चलते किन्नौर के निचार उपमंडल सहित प्रदेश के 11 जिलों में सभी शिक्षण संस्थान बंद रहे।

मॉनसून सीजन में अब तक हिमाचल में 340 लोगों की मौत हो चुकी है, 41 लोग लापता और 389 घायल हुए हैं। पूरे राज्य में 4497 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 917 पूरी तरह ढह गए। इसके अलावा 486 दुकानें और 4008 गौशालाएं नष्ट हो चुकी हैं। सार्वजनिक संपत्ति को अब तक 3525 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है। प्रदेश सरकार ने लगातार हो रही तबाही को देखते हुए हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सफाई-स्वच्छता पर ध्यान दें, सारा देश स्वच्छ बनाना है : मनोहर लाल

जिन राज्यों की अच्छी व्यवस्थाएं हैं, उन्हें अपने राज्यों में भी लागू करवाएं महापौर

संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि हम सभी सफाई और स्वच्छता पर ध्यान दें, हमें सारा देश स्वच्छ करना है। देश स्वच्छ होगा तभी हम कह पाएंगे कि भारत ने स्वच्छता में कमाल कर दिया। उन्होंने सभी महापौर से आह्वान किया कि पार्षदों के साथ मिलकर एक टीम बनाकर चलें। बिना भेदभाव के जिम्मेदारी के साथ शहरों को साफ और स्वच्छ बनाएं और आगे बढ़ाएं। केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने यह बात मंगलवार को करनाल में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 53वीं साधारण सभा की बैठक के दौरान सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के बाद तीसरी शहर की सरकार नगर निकाय होती है। देशभर में 5 हजार 20 शहर हैं, इनमें तेजी से शहरीकरण बढ़ रहा है। 1970 में शहरी आबादी महज 20 फीसदी थी, 50 साल बाद यह आंकड़ा 35 फीसदी था और एक अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले 15 साल में 50 फीसदी आबादी शहरी होगी। लोग रोजगार के नाते शहरों की तरफ बढ़ रहे हैं। यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि नए अवसरों, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर जीवन शैली की अपार संभावनाओं का प्रतीक है और हम सभी को इस दिशा में बेहतर समन्वय के साथ एक विकसित भारत की संकल्पना का निर्माण करना है। ऐसे में नगर निकाय शहरों में बेहतर सुविधाएं दें।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि जिन राज्यों में बेहतर व्यवस्थाएं हैं, उन व्यवस्थाओं को महापौर अपने राज्यों में भी लागू करें। उन्होंने मेयर पद के लिए चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि यूपी में मेयर पद के लिए चुनाव होता था जबकि हरियाणा में ऐसी व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने इस व्यवस्था को बदला और मेयर के सीधे चुनाव करवाए। इस तरह की व्यवस्थाओं के लिए कानून राज्य सरकार द्वारा बनाए जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर शहर की अपनी व्यवस्थाएं हैं। कोई शहर धार्मिक है तो कोई औद्योगिक है। ऐसे में वहां की आवश्यकता और समस्याएं अलग-अलग हैं। ऐसे में व्यवस्थाएं भी ऐसी करनी पड़ती है। ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों को निरंतर शहरों की बेहतरी के लिए कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को अपनी अच्छी छवि बनाने के लिए भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि नगर निकायों में केंद्र और राज्य सरकार फंड देती है। यदि इस संबंध में नगर निकाय सही से प्लानिंग करें और अपनी आमदनी ठीक करें तो खर्च भी ठीक होंगे। जितना आवश्यक है, उतना जरूर खर्च करें। नगर निकायों में वर्क कल्चर खड़ा करें। कर्मचारियों को तकनीक के साथ ट्रेनिंग दें। पर्यावरण संरक्षित करने के लिए भी कदम उठाएं। इसके साथ-साथ भविष्य की प्लानिंग करें। उन्होंने कहा कि अब देशभर के लिए आयोजित होने वाली स्वच्छता प्रतियोगिता के पैटर्न में भी बदलाव किया गया है। जो राज्य पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर आएंगे, उन्हें अपने राज्य के सबसे निचले पायदान पर आने वाले नगर निकाय के साथ जोड़ा बनाकर अगली दफा प्रतियोगिता में हिस्सा लेना होगा। दोनों की रैंकिंग सुधरेगी तो ही स्वच्छता रैंकिंग में कोई स्थान मिल पाएगा।

भाविप ने भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का किया आयोजन

संवाददाता
लाडवा

भारत विकास परिषद लाडवा की ओर से लाडवा-पिपली मार्ग पर स्थित एक निजी स्कूल में भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रकल्प प्रमुख अरविंद सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज के कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आर. डी. अरोड़ा ने दीप प्रज्वलन करके किया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को दो वर्गों जूनियर तथा सीनियर वर्ग में आयोजित कराया गया। जूनियर वर्ग में 25 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया तथा सीनियर वर्ग में 23 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि आर डी अरोड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है तथा अपने भारत को जानने का अवसर मिलता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के उत्थान एवं बच्चों को संस्कारप्रद ज्ञान देने के लिए भारत विकास परिषद की प्रशंसा की। परिषद अध्यक्ष अमन गोयल, सचिव संजीव मंगला, विद्यालय संचालक सुभाष जिंदल ने आए हुए अतिथियों का विद्यालय में पहुंचने पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान ओम प्रकाश गर्ग मेमोरियल स्कूल लाडवा, द्वितीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहारा, तृतीय स्थान कोणार्क अकादमी लाडवा ने प्राप्त किया। सीनियर ग्रुप में प्रथम स्थान ओम प्रकाश गर्ग मेमोरियल स्कूल लाडवा, द्वितीय स्थान यूनिक शिक्षा निकेतन एवं तृतीय स्थान के बी स्कॉलर्स स्कूल लाडवा ने प्राप्त किया।

सभी विजेता टीमों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। शाखा स्तर के प्रथम विजेता छात्र प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अरविंद सिंघल ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई।

इस अवसर पर गौरव गोयल, रमन आनंद, गोपाल अरोड़ा, डॉ प्रवीण मेहता, डॉ अजीत सेठी, विकास मदान एवं भारत विकास परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

खेल मंत्री ने यमुना में बढ़ते जलस्तर को लेकर किया गांवों का दौरा

संवाददाता
चंडीगढ़

ग्रामीण घबराएं नहीं सावधानी बरतें, लोगों के साथ खड़ी है सरकार: गौरव गौतम

यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत हरियाणा के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने आज पलवल के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी स्थिति में घबरायें नहीं अपितु सावधानी बरतें। सरकार लोगों के साथ खड़ी है।

जिला प्रशासन की टीम को साथ लेकर खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने खादर क्षेत्र के दौरे की शुरूआत बागपुर गांव से की, जबकि समापन थंथरी गांव में हुआ। इस दौरान उन्होंने जलभराव वाले संभावित गांवों का दौरा करते हुए ग्रामीणों से बातचीत करते हुए स्थिति का जायजा लिया। राजूपुर-दोस्तपुर गांव में बांध की जांच करते हुए उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न गांवों के ग्रामीणों को भरोसा दिया कि उन्हें हर संभव मदद मुहैया करवाई जाएगी।

दौरे के दौरान उन्होंने वापसी में बागपुर गांव में जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों व विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न गांवों के सरपंचों व गणमान्य लोगों की बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित गांवों में बिजली-पानी की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए सिंचाई विभाग पहले ही प्रबंध रखें। डीजल और इलेक्ट्रिक पंप सेट आवश्यकतानुसार लगवायें। पशुओं की देखरेख के लिए पशुपालन विभाग तैयारी करें। साथ में स्वास्थ्य विभाग कैंप लगाकर आम जनमानस के लिए उपचार व दवाइयों की व्यवस्था करें।

हरियाणा नए आपराधिक कानूनों के तहत कर रहा है उल्लेखनीय सफलता हासिल: डॉ. सुमिता मिश्रा

संवाददाता
चंडीगढ़

नए आपराधिक न्याय ढांचा को त्वरित और प्रभावी परिणाम देने में हरियाणा ने अन्य राज्यों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हाल के मामले इस बात को दर्शाते हैं कि कैसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 त्वरित सुनवाई, बेहतर पुलिसिंग और कानून प्रवर्तन में जनता के विश्वास को मजबूत कर रही है।

गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नए आपराधिक कानूनों के अनुकरणीय कार्यान्वयन के लिए हरियाणा को चिह्नित किया है, जिसमें राज्य की दो उत्कृष्ट सफलताओं की कहानियों को देश भर में प्रसारित करने के लिए शीर्ष पांच में चुना गया है।

उन्होंने नूंह जिले के एक मामले के बारे में विस्तार से बताया कि जहां दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर संभावित दुर्घटनाग्रस्त ट्रक पार्किंग की समस्या का भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत त्वरित समाधान किया गया। बता दें कि राज लल्लन सिंह ने लापरवाही से अपना ट्रक पार्क किया था, जिससे यातायात में बाधा आ गई थी और लोगों को जान-माल का खतरा पैदा हो रहा था। नगीना थाने के उप-निरीक्षक प्रताप सिंह ने तत्परता दिखाते हुए मामला एफआईआर दर्ज होने से लेकर दोषसिद्धि तक निर्बाध रूप से आगे बढ़ाया। इस घटना के मात्र 40 दिन के अंदर आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया और अभियुक्तों ने फिरोजपुर झिरका स्थित जेएमआईसी न्यायालय के समक्ष स्वेच्छा से अपना अपराध स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने 5,000 रुपये का जुमार्ना लगाया।

इसी प्रकार रेवाड़ी के एक अन्य मामले में मॉडल टाउन पुलिस ने बैग छीनने की एक घटना को सुलझाने के लिए आधुनिक जांच तकनीकों का इस्तेमाल किया। अभियुक्त हेमंत और जितेंद्र ने नकदी एक मोबाइल फोन और कीमती सामान चुराया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों का उपयोग करके जल्दी से उनकी पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया, साथ ही चोरी का सामान भी बरामद कर लिया। पहचान परेड के दौरान पीड़ित की सकारात्मक पहचान ने मामले को और मजबूत किया। 41 दिनों के भीतर आरोप

पत्र दाखिल कर दिया गया और हेमंत ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप बीएनएस 2023 प्रावधानों के तहत उसे शीघ्रता से दोषी ठहराया गया।

उन्होंने कहा कि ये सफलता की कहानियां इस बात पर जोर देती हैं कि कैसे हरियाणा में पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका ने भारत के नए आपराधिक कानूनों की परिवर्तनकारी क्षमता को पूरी तरह अपनाया है। त्वरित एफआईआर पंजीकरण, साक्ष्य-आधारित जाँच, तकनीक-आधारित पुलिसिंग और कुशल न्यायिक प्रक्रियाएँ न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया को नई परिभाषा दे रही हैं। यातायात उल्लंघनों से लेकर सड़क पर होने वाले अपराधों तक, हरियाणा त्वरित, निष्पक्ष और स्थायी न्याय के लिए एक नया मानदंड स्थापित कर रहा है, जो पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

संक्षिप्त-समाचार

एसडीएम के नेतृत्व में मेन बाजार, मेन मार्केट, रामकुंडी क्षेत्र और खेड़ा मार्ग से हटवाया अतिक्रमण

लाडवा। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि नागरिकों के लिए बाजार में आना-जाना सुगम व सुरक्षित हो, इसके लिए अतिक्रमण हटना जरुरी है। सडकों पर यदि अतिक्रमण होगा तो आमजन, दुकानदारों और वाहन चालकों सहित सभी को परेशानी होती है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की है कि वो दुकानों के बाहर सामान ना रखें। एसडीएम पंकज सेतिया मंगलवार को नगर पालिका की टीम को लेकर मेन बाजार, मेन मार्केट, रामकुंडी क्षेत्र और खेड़ा मार्ग पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ सडकों पर रखे सामान का उठाकर अतिक्रमण हटवाया। एसडीएम ने दुकानदारों को समझाया कि दुकानों के सामने सामान ना रखें। उन्होंने कहा कि लाडवा में स्वच्छता अभियान चला हुआ है। इसके तहत हर दुकानदार अपनी दुकानों पर डस्टबिन रखें। साथ ही दुकान के अंदर और बाहर के क्षेत्र में सफाई का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि इस अभियान में अहम योगदान देने के लिए अतिक्रमण हटाने से काफी समस्याओं का हल हो जाएगे। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि नगर पालिका लाडवा की टीम को साथ लेकर शहर में समय-समय पर अतिक्रमण हटवाया जा रहा है। जब सडक पर अतिक्रमण नहीं होगा तब स्कूली व अन्य वाहनों का आना-जाना आसान होगा। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी कि यदि वो दोबारा से अतिक्रमण किया तो दोबारा से जुमार्ना व अन्य कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता की अलख जगाने में स्कूल निभा सकते हैं स्वच्छता दूत की भूमिका : पंकज सेतिया

लाडवा। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि शिक्षा के मंदिर स्कूल अब स्वच्छता की अलख जगाने में स्वच्छता दूत की भूमिका निभा सकते हैं। हर परिवार से कोई बच्चा सरकारी या प्राइवेट स्कूल में पढ़ने जा रहा है। जब स्कूलों से विद्यार्थियों को स्वच्छता का संदेश पहुंचाएंगे तब इस मुहिम को हर घर तक पहुंचाना आसान होगा। एसडीएम पंकज सेतिया मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित स्वच्छता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सभी स्कूल इंचार्जों को संबोधित कर रहे थे। एसडीएम पंकज सेतिया ने कार्यक्रम में मौजूद उपस्थित गणमान्य को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलवाई। साथ ही शहर को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ स्वच्छता को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी नीलम सैनी, नगर पालिका सचिव नीरज भी मौजूद रहे। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से चलाए जा रहे हरियाणा स्वच्छ शहरी अभियान में मेरा कुरुक्षेत्र मेरा अभिमान मुहिम के तहत लोगों को सफाई रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान से शहर की सूरत बदली-बदली सी दिखाई देने लगी है। 24 अगस्त से हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 शुरू किया गया है। यह अभियान 11 सप्ताह तक चलेगा। इसका समापन सात नवंबर को होगा। इस अभियान को हर मोहल्ला, हर गली, हर मकान, हर संस्थान स्वच्छ हरियाणा की पहचान नाम दिया गया है। एसडीएम ने कहा कि लाडवा शहर को गंदगी से मुक्त कर स्वच्छ बनाने को लेकर प्रत्येक वार्ड के लिए अधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी गई है। सफाई अभियान का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। औचक निरीक्षण भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने में प्रत्येक नागरिक का सहयोग जरूरी है।

चालक नशे में गाड़ी चलाता मिला तो तुरंत किया जाएगा निष्कासित: एसडीएम

लाडवा। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि सुरक्षित विद्यालय वाहन पॉलिसी से स्कूलों और अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता लाना है। सुरक्षित विद्यालय वाहन पॉलिसी का पालन समयबद्ध तरीके से करने पर वाहन की सभी कमियां और खामियां दूर होंगी। इससे किसी भी प्रकार के हादसे होने की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी। एसडीएम पंकज सेतिया मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ब्लॉक के सभी सरकार व प्राइवेट स्कूलों के संचालकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी नीलम सैनी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के तहत स्कूलों को अपने वाहनों की जांच करवानी होगी और सुनिश्चित करना होगा कि वे सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि स्कूल वाहनों की जांच करवाना अनिवार्य होगा, जिसमें सुरक्षा उपकरणों की जांच और वाहनों की फिटनेस शामिल है। स्कूलों को साल में दो बार अपने वाहनों के बारे में सेल्फ सर्टिफिकेशन देना होगा, जिसमें वे सुनिश्चित करेंगे कि उनके वाहन सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल वाहनों के चालकों का साल में दो बार जांच करनी होगी और अगर कोई चालक नशे में पाया जाता है तो उसे तुरंत प्रभाव से निष्कासित करना होगा।

जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान ओम प्रकाश गर्ग मेमोरियल स्कूल लाडवा रहा

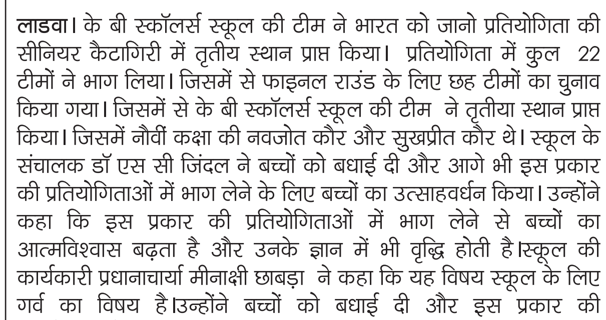

लाडवा। के बी स्कॉलर्स स्कूल की टीम ने भारत को जानो प्रतियोगिता की सीनियर कैटागिरी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 22 टीमों ने भाग लिया। जिसमें से फाइनल राउंड के लिए छह टीमों का चुनाव किया गया। जिसमें से के बी स्कॉलर्स स्कूल की टीम ने तृतीया स्थान प्राप्त किया। जिसमें नौवीं कक्षा की नवजोत कौर और सुखप्रीत कौर थे। स्कूल के संचालक डॉ एस सी जिंदल ने बच्चों को बधाई दी और आगे भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके ज्ञान में भी वृद्धि होती है। स्कूल की कार्यकारी प्रधानाचार्या मीनाक्षी छाबड़ा ने कहा कि यह विषय स्कूल के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बच्चों को बधाई दी और इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का महत्व भी बताया।

ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के नन्हे-मुन्नों ने किए गणपति के दर्शन

संवाददाता
लाडवा

श्री गणेश उत्सव के अवसर पर मंगलवार को ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल, सांगीपुर के छोटे-छोटे बच्चों ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। बच्चे लाडवा में बीरे की चक्की के पास चल रहे 12वें गणेश उत्सव में पहुंचे, जहाँ विशाल प्रतिमा की स्थापना की गई है। इस दौरान बच्चों ने न केवल गणपति जी की आरती की बल्कि प्रसाद ग्रहण कर उल्लासपूर्वक उत्सव का आनंद भी लिया। वातावरण बच्चों की हंसी और भक्ति गीतों से गूंज उठा। स्कूल की प्रधानाचार्या रितु सिंगला ने कहा कि भगवान श्री गणेश विघ्नहर्ता हैं। किसी भी पूजा की शुरूआत हमेशा उन्हीं के स्मरण से होती है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि बच्चों को बचपन से ही धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ा जा रहा है। रितु सिंगला ने आगे कहा कि गणपति जी बुद्धि और विवेक के देवता हैं। यदि जीवन में सफलता, सुख और समृद्धि चाहिए तो सबसे पहले गणपति का आशीर्वाद आवश्यक है। गणेश उत्सव जैसे आयोजन न सिर्फ भक्ति का प्रतीक हैं बल्कि बच्चों को संस्कार सिखाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। ऐसे अवसर बच्चों के मन में यह संदेश छोड़ते हैं कि जीवन में हर शुरूआत सकारात्मक सोच और आस्था से करनी चाहिए। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी न केवल शिक्षा में बल्कि संस्कार और संस्कृति से भी जुड़े रहें।

एसजीएमपीएस, लाडवा के इशांत, यश शर्मा और शुभम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई किया

अनिल गोयल
लाडवा

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा के तीन छात्रों ने जिला स्तरीय भारोत्तोलन और निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई किया।

कक्षा 11 के इशांत ने अंडर-19 में, लड़कों के 79 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। स्कूल के एक अन्य खिलाड़ी, कक्षा 10 के यश शर्मा ने अंडर-17 में, लड़कों के 79 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। कक्षा 11 कला के शुभम बाजवा ने ओपन साइट एयर राइफल निशानेबाजी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। सभी खिलाड़ियों को स्कूल के प्रबंधन, प्रधानाचार्य और शिक्षकों से भरपूर प्रोत्साहन मिला। स्कूल के प्रधान पवन गर्ग और सचिव रविंद्र बंसल ने खुशी व्यक्त की और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अन्य छात्र भी इन तीनों छात्रों की उपलब्धियों से प्रेरित होंगे और विभिन्न गतिविधियों में सकारात्मक रूप से भाग लेने के लिए आगे आएंगे। स्कूल के प्रधानाचार्य नरेन्द्र शर्मा ने तीनों विद्यार्थियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उनके प्रयासों की सराहना की।

सम्मान

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने पेरिस में किया राज्य का प्रतिनिधित्व

हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को मिला वैश्विक मंच पर सम्मान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा यूनेस्को के आमंत्रण पर पेरिस में 1 से 5 सितंबर तक आयोजित यूनेस्को डिजिटल लर्निंग वीक-2025 में भाग ले रहे हैं। यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन शिक्षा के भविष्य, डिजिटल लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवीनतम तकनीकों पर केंद्रित है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संगठन, नीति निमार्ता, शिक्षा विशेषज्ञ और तकनीकी विद्वान शामिल हुए हैं।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने विभिन्न देशों के शिक्षा मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया और हरियाणा राज्य द्वारा भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के अनुरूप वैश्विक स्तर पर शिक्षा क्षेत्र में आ रहे बदलाव में विचार-विमर्श किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में शिक्षा नीति को इसी शैक्षिक स्तर से लागू किया जा रहा है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल भारत के विजन को साकार में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने बताया कि यह इस बात को प्रमाणित करता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य की शिक्षा व्यवस्था निरंतर प्रगति के नए आयाम छू रही है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

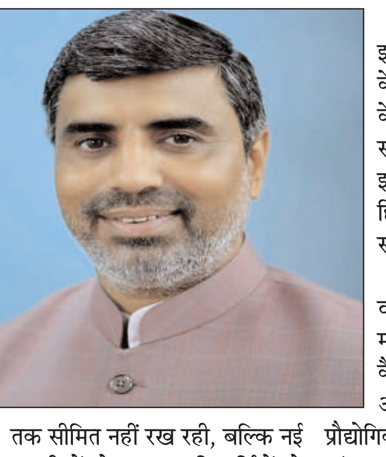

उन्होंने बताया कि हरियाणा ने विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग कंटेंट, डिजिटल लैब्स, शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम और विद्यार्थियों के लिए तकनीक आधारित सीखने के अवसर उपलब्ध कराकर शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं।

श्री ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा को सिर्फ पारंपरिक ढांचे तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि नई तकनीकों को अपनाकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हरियाणा सरकार ने डिजिटल शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्ग के बच्चों को ध्यान में रखकर अनेक नवाचार लागू किए हैं।

यूनेस्को द्वारा हरियाणा की इन पहलों को मान्यता देना राज्य के लिए गर्व की बात है। इससे न केवल हरियाणा का वैश्विक स्तर पर गौरव बढ़ा है, बल्कि इससे शिक्षा जगत के अन्य हितधारकों के बीच भी राज्य की साख मजबूत हुई है।

यूनेस्को डिजिटल लर्निंग वीक में हरियाणा द्वारा प्रस्तुत मॉडल की विशेषता यह रही कि कैसे राज्य ने सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर डिजिटल अंतराल (ॐॖ' ॐॗ) को पाटने को कम करने और सरकारी व निजी स्कूलों के बीच की गेप को कम करने पर फोक्स किया।

शिक्षा मंत्री के साथ शिष्ट मंडल में हरियाणा शिक्षा विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग व अन्य अन्य अधिकारी मौजूद हैं।

4 से लाईव होंगे सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (मुक्त विद्यालय) परीक्षा मार्च-2026 के लिए आवेदन

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा मुक्त विद्यालय की सैकेण्डरी तथा सीनियर सैकेण्डरी (फ्रैश कैटेगरी) परीक्षा मार्च-2026 के लिए आवेदन फार्म भरने की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर 04 सितम्बर, 2025 से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जो परीक्षार्थी सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (मुक्त विद्यालय) फ्रैश कैटेगरी के लिए ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं, ऐसे परीक्षार्थी सैकेण्डरी परीक्षा के लिए 1250 रुपए तथा सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा के लिए 1300 रुपए निर्धारित शुल्क के साथ 04 सितम्बर से 03 अक्तूबर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद परीक्षार्थी 100 रुपए विलम्ब शुल्क सहित 04 अक्तूबर से 03 नवम्बर तक, 300 रुपए सहित 04 नवम्बर से 03 दिसम्बर तथा 1000 रुपए सहित 04 से 31 दिसम्बर, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि सैकेण्डरी तथा सीनियर सैकेण्डरी (फ्रैश कैटेगरी) की प्रायोगिक परीक्षा के लिए 100 रुपए प्रति प्रायोगिक विषय परीक्षा शुल्क देय होगा। इसके अतिरिक्त सीनियर सैकेण्डरी अतिरिक्त विषय की परीक्षा हेतु 200 रुपए प्रति विषय शुल्क अलग से देय होंगे। इसके अतिरिक्त ऐसे परीक्षार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के साथ ही परीक्षा के माध्यम का चुनाव करना होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी का हवाला देकर समय पर आवेदन न करने की अवस्था में किसी परीक्षार्थी को समय की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय केवल अपना, माता-पिता या भाई-बहन का ही मोबाइल नम्बर दर्ज करें, किसी कोचिंग सैन्टर या साईबर कैफे वाले का मोबाईल नम्बर दर्ज न करवाएं, ताकि बोर्ड द्वारा छात्रहित के दृष्टिगत समय-समय पर बोर्ड द्वारा जो-जो जानकारियां/हिदायतें दी जानी होती हैं वे सीधे परीक्षार्थी तक पंहुच सके।

संपादकीय

अमरीका से दूरी, रूस-चीन से नजदीकी: क्या सच में बदल जाएगा भारत का वैश्विक भविष्य?

भारत की विदेश नीति हमेशा से 'रणनीतिक स्वायत्तता' पर आधारित रही है। आज जब वैश्विक राजनीति अमेरिका बनाम रूस-चीन खेमे में बंटती दिख रही है, भारत के लिए संतुलन बनाना आसान नहीं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा और तकनीकी साझेदारी को मजबूत किया, लेकिन साथ ही रूस और चीन के साथ भी रिश्ते बनाए रखे। हाल ही में रूस और चीन से भारत की बढ़ती नजदीकियों और अमेरिका से थोड़ी दूरी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि इस बदलाव से भारत को क्या नुकसान और क्या फायदा होगा। अमेरिका ने हाल ही में भारत पर कई आर्थिक दबाव डाले। टैरिफ बढ़ाए, वीजा नियम कड़े किए और कृषि-टेक्सटाइल निर्यात पर अंकुश लगाया। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत ने रूस से तेल और रक्षा सौदे जारी रखे, जिससे वॉशिंगटन असहज हुआ। चीन के साथ भारत का सीधा सीमा विवाद है, लेकिन क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों की साझेदारी बनी हुई है। इसी समीकरण में भारत ने शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे मंचों पर रूस-चीन के साथ मिलकर अपनी भूमिका मजबूत की। गर हम संभावित फायदों की बात करें तो रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। सस्ते दामों पर कच्चा तेल और गैस खरीदकर भारत ने न सिर्फ महंगाई पर नियंत्रण पाया बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार भी सुरक्षित किया। अमेरिका से दूरी और रूस से नजदीकी का सबसे बड़ा फायदा यही है। भारत के 60% से अधिक हथियार अभी भी रूस से आते हैं। तकनीकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन जैसे प्रोजेक्ट (जैसे ब्रह्मोस मिसाइल) रूस के साथ ही संभव हुए। चीन के साथ खुला विवाद होते हुए भी रूस का समर्थन भारत की सामरिक स्थिति को मजबूत करता है। ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठन अमेरिका-नेतृत्व वाले पश्चिमी गठजोड़ का विकल्प बन रहे हैं। इन मंचों पर सक्रिय रहकर भारत न केवल दक्षिण गोलार्ध के देशों की आवाज बन रहा है बल्कि 'विकासशील विश्व' का नेतृत्व भी हासिल कर रहा है। रूस और चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक रिश्ते भारत को नए बाजार देते हैं। रूस-भारत व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। वहीं, चीन भले ही प्रतिद्वंद्वी हो, लेकिन व्यापारिक साझेदार के रूप में उसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि भारत केवल अमेरिका के खेमे में जाता तो उसकी स्वतंत्र विदेश नीति पर सवाल उठते। रूस-चीन के साथ संबंध मजबूत करके भारत यह संकेत देता है कि वह किसी एक ध्रुव पर निर्भर नहीं है। अब गौर करते हैं संभावित नुकसान पर। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निवेशक है और हाई-टेक सेक्टर (आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, रक्षा टेक्नोलॉजी) में सहयोग भी वही देता है। अगर रिश्तों में खटास आई तो भारत को इन क्षेत्रों में नुकसान उठाना पड़ सकता है। अमेरिका एशिया-प्रशांत में 'क्वाड' जैसे मंचों के जरिए चीन को संतुलित करना चाहता है। यदि भारत रूस-चीन के साथ ज्यादा खड़ा दिखेगा तो अमेरिका उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़ा कर सकता है। इससे इंडो-पैसिफिक रणनीति कमजोर हो सकती है। रूस-चीन की साझेदारी बहुत गहरी है। भारत भले ही रूस से करीबी रखे, लेकिन चीन के साथ सीमा विवाद और आर्थिक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। इस स्थिति में रूस भी भारत और चीन के बीच खुलकर पक्ष लेने से हिचक सकता है। भारत का 40% से अधिक निर्यात यूरोप और अमेरिका जाता है। यदि पश्चिमी देश भारत पर व्यापारिक दबाव बढ़ाते हैं तो भारतीय उद्योग और आईटी सेक्टर को बड़ा नुकसान हो सकता है। विदेश नीति का सबसे बड़ा खतरा असंतुलन है। यदि भारत रूस-चीन पर अधिक झुकाव दिखाता है, तो पश्चिमी दुनिया उसे 'रूस का सहयोगी' मान सकती है। इससे भारत की वैश्विक छवि प्रभावित हो सकती है। यह सच है कि भारत की असली ताकत उसकी 'बहु-ध्रुवीय विदेश नीति' में है। रूस से ऊर्जा और रक्षा सहयोग, चीन से व्यापारिक तालमेल, और अमेरिका से तकनीकी व निवेश सहयोग–ये तीनों ध्रुव भारत के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय की कोशिश यही है कि किसी भी खेमे में पूरी तरह न जाकर संतुलन बनाए रखा जाए। भारत 'गुटनिरपेक्षता 2.0' की राह पर है, जहां वह हर ध्रुव से अपने हित के हिसाब से सहयोग करता है। यही रणनीति भारत को वैश्विक शक्ति बनने का रास्ता दे सकती है। रूस और चीन के साथ नजदीकी बढ़ाना और अमेरिका से थोड़ी दूरी बनाना भारत के लिए फायदे और नुकसान दोनों लेकर आता है। एक तरफ ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और बहुपक्षीय मंचों पर नेतृत्व का अवसर है, वहीं दूसरी तरफ तकनीकी साझेदारी, निवेश और पश्चिमी बाजारों तक पहुंच पर खतरा है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण यही होगा कि वह संतुलन बनाए रखे–अमेरिका से दूरी इतनी न हो कि हाई-टेक सेक्टर और निवेश प्रभावित हो जाएं, और रूस-चीन से नजदीकी इतनी हो कि रणनीतिक सहयोग सुरक्षित रहे। अगर भारत इस 'संतुलित विदेश नीति' को जारी रखता है, तो न केवल नुकसान से बच सकता है बल्कि आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र भी बन सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया चीन यात्रा को केवल औपचारिक शिखर सम्मेलन में उपस्थिति मान लेना भूल होगी। यह यात्रा उस समय हुई है जब भारत-चीन के बीच सीमा पर भरोसे का संकट गहरा है, भारत-अमेरिका संबंध का एक नया पन्ना सामने है और रूस के साथ भारत का ऊर्जा तथा रक्षा सहयोग अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचा है। ऐसे परिदृश्य में बीजिंग की धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का उतरना एशियाई राजनीति के बदलते समीकरणों की झलक देता है। यह यात्रा भारत की विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन दोनों का प्रमाण है।

व्यापारिक आँकड़े साफ कहते हैं कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, लेकिन यह रिश्ता बेहद असंतुलित है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और चीन का द्विपक्षीय व्यापार 127.7 अरब डॉलर तक पहुँचा। इसमें भारत का निर्यात केवल 14.25 अरब डॉलर का रहा, जबकि चीन से आयात 113.45 अरब डॉलर पर पहुँच गया। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99 अरब डॉलर से अधिक का रहा, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। यह स्थिति भारत की औद्योगिक निर्भरता को उजागर करती है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, फार्मा और ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का एक बड़ा उद्देश्य इसी असंतुलन को कम करता हुआ दिखा है।

इस तुलना में रूस के साथ भारत का व्यापारिक समीकरण अपेक्षाकृत संतुलित और अवसरों से भरा हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-रूस व्यापार 68.7 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्शा रहा है। इसका मुख्य कारण रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल का आयात है। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह सहयोग भारत के लिए अनिवार्य हो गया है। साथ ही, रूस भारत का पारंपरिक रक्षा सहयोगी है और अंतरिक्ष विज्ञान में भी दोनों देशों की साझेदारी मजबूत है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने रिश्ते को बरकरार रखा है। मोदी की चीन यात्रा से यह संदेश भी गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर अडिग है और किसी एक ध्रुव पर झुकने को तैयार नहीं, फिर अमेरिका उस पर कितने ही दबाव बनाने का प्रयास करे।

हालांकि ऐसा नहीं है कि जो अमेरिका भारत पर लगातार आर्थिक दबाव बनाने की कोशिशें कर रहा है, उसके साथ भारत के व्यापारिक संबंध कमजोर पड़े हैं, देखा जाए तो लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतझअमेरिका का व्यापार 131.8 अरब डॉलर पर रहा। यह आँकड़ा न केवल चीन से अधिक है बल्कि यह भी दिखाता है कि तकनीकी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में अमेरिका भारत के लिए सबसे भरोसेमंद बाजार है। संभावित मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग इस रिश्ते को और गहरा करने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिका भी बारीकी से देख रहा है, उसका अध्ययन कर रहा है, तुलनात्मक रूप से अपने नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। पर यहां जो स्पष्ट संकेत विदेश नीति के स्तर पर दिया गया है वह यही है कि भारत, चीन और रूस के साथ संवाद कायम रखते हुए भी अमेरिका और यूरोप से दूरी नहीं बना रहा।

बीजिंग यात्रा का कूटनीतिक संदेश यही है कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में 'संतुलनकारी' की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत में यह सहमति बनी कि सीमा विवाद को रिश्तों की प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। अब यह भले ही एक सामान्य-सा बयान लगे, किंतु इस सच को नकारा नहीं जा सकता है कि गलवान संघर्ष और लद्दाख में जारी तनातनी के बाद यह पहला अवसर रहा, जब शीर्ष नेतृत्व ने इतने स्पष्ट शब्दों में संवाद को प्राथमिकता दी। यात्राओं की बहाली, उड़ानों और वीजा में रियायतें तथा निवेश सहयोग पर चर्चा ऐसे संकेत हैं जो रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का प्रयास करते हैं।

फिर भी इस यात्रा की सीमाएँ भी हैं। विपक्ष का उठाया गया सवाल मायने रखता है कि व्यापार घाटे का बोझ घटाने की ठोस योजना सामने आए बिना बीजिंग से लौटे वादे केवल प्रतीकात्मक रह सकते हैं। चीन-पाकिस्तान गठजोड़, बेल्ट एंड रोड परियोजना पर मतभेद और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें केवल संवाद से नहीं सुलझाया जा सकता। भारत को आने वाले वर्षों में तीन मोर्चों पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है; पहला, चीन पर अपनी औद्योगिक निर्भरता को घटाना; दूसरा, रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को दीर्घकालीन ढाँचे में ढालना और तीसरा, अमेरिका व यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाना, ताकि निर्यात के नए अवसर मिल सकें।

मोदी की चीन यात्रा से सबसे बड़ा संदेश यही गया कि भारत अब प्रतिक्रियाशील शक्ति नहीं रहा। वह वैश्विक राजनीति और व्यापार में सक्रिय और आत्मविश्वासी ध्रुव के रूप में उभर रहा है। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत की विदेश नीति अब केवल किसी एक गुट पर निर्भर नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसके लिए अपने नागरिकों के हित सर्वोपरि हैं। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, और ये शक्ति शाली भारत न रुकेगा न किसी अन्य देश के सामने झुकेगा।

फिलहाल इस यात्रा के ठोस नतीजे सामने आने में हमें इंतजार करना होगा, क्योंकि समय लगेगा लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि उस राष्ट्र की बन रही है जो अपने हितों को साधते हुए संवाद और सहयोग की राह खुली रखता है। एशिया की राजनीति में यही संतुलनकारी भूमिका भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर आज उभर रही है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह 'मृत अर्थव्यवस्था' की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

हरदीप एस पुरी

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक 'लौंड्रोमैट' बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया। सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती की और निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशत डीजल बेचना होगा।

इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतें स्थिर रहीं। बड़ा सच यह है कि वैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप भारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही 'मेड इन इंडिया' है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं।

सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौरा और जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती है और हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजी वास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थित और निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है।

आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है।

एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगे और अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगे ताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके। आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमारा जवाब होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार है और विकास के ये आंकड़े उस व्यापक कहानी का ताजा अध्याय मात्र हैं।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन व्यवसायिक दृष्टि से लाभदायक रहेगा। साझेदारी में काम करने वालों को अच्छे अवसर मिलेंगे। आर्थिक लेन-देन में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। परिवार के बुजुर्ग आपका मार्गदर्शन करेंगे और उनसे प्रेरणा भी प्राप्त होगी।

वृषभ: दिन कुछ उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। आलस्य त्यागें और स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। आपके भावनात्मक विचारों को लोग नजरअंदाज कर सकते हैं, इसलिए व्यावहारिक बने रहें। प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े लोगों को अपनी कमियों पर सुधार करने की आवश्यकता है।

मिथुन: जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है। तकनीकी और आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों को करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। विदेश में कारोबार कर रहे लोगों के लिए समय बेहद अनुकूल है। बीते समय की मेहनत का फल आज मिलेगा। दिखावे से दूर रहें और सादगी अपनाएँ।

कर्क: आज अपने शब्दों पर नियंत्रण रखें, अन्यथा विवाद हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रतिस्पर्धा की स्थिति में आप अपने विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। दिनचर्या को व्यवस्थित रखना आपके लिए फायदेमंद होगा।

सिंह: कार्यक्षेत्र में कार्यभार बढ़ने से तनाव रह सकता है। दबाव के चलते पारिवारिक जीवन में मतभेद की स्थिति बनेगी। बातचीत में संयम बरतें, अन्यथा रिश्तों में खटास आ सकती है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। किसी पुराने निर्णय से असुविधा हो सकती है, धैर्य रखें।

कन्या: हाई बीपी और शुगर के मरीज स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। इलेक्ट्रॉनिक सामान में खराबी से परेशानी हो सकती है। दोपहर के बाद मन थोड़ा उदास रहेगा। जल्दबाजी से बचें, अन्यथा कार्य बिगड़ सकते हैं।

तुला: स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, परंतु अति-आत्मविश्वास से बचें। परिवार के साथ घूमने-फिरने की योजना बनेगी। वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों को शुभ परिणाम मिलने की संभावना है।

वृश्चिक: आज अपने विचार दूसरों पर थोपने से बचें। विवाद और बहस से दूरी बनाए रखें। जीवनसाथी के साथ मिलकर घरेलू कार्यों में सहयोग करेंगे। स्वभाव के कारण कुछ परिजन नाराज हो सकते हैं। आंखों में जलन या इन्फेक्शन की समस्या रह सकती है।

धनु: धार्मिक कार्यों और अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। भाई-बहनों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। अविवाहित जातकों के लिए विवाह प्रस्ताव आ सकते हैं। पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहेगा और पसंदीदा भोजन का आनंद लेंगे।

मकर: प्रेम संबंधों में धैर्य और सम्मान बनाए रखें। किसी को धन उधार देने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। नसों में खिंचाव की समस्या परेशान कर सकती है। महिलाएं आज घरेलू जिम्मेदारियों में व्यस्त रहेंगी। नकारात्मक विचारों से दूर रहना ही उचित होगा।

कुंभ: आपकी सामाजिक छवि में निखार आएगा। संतान की शिक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। नए विचारों और योजनाओं को अपनाने में सफल रहेंगे। प्रेम संबंधों में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है।

मीन: करियर और नौकरी के लिए समय बेहद शुभ है। भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी। पुराने कानूनी मामलों का समाधान संभव है। प्रतिस्पर्धी माहौल में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे। विदेश से नौकरी या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

3 सितम्बर 1857 : नाना सहाब पेशवा की दत्तक पुत्री तेरह वर्षीय मैना देवी को अंग्रेजों ने पहले कठोर यातनाएँ दीं फिर जिन्दा जलाया

रमेश शर्मा (हि.स)

पराधीनता काल के भीषण अत्याचारों से केवल सल्तनत काल का इतिहास ही रक्त रंजित नहीं है, अंग्रेजी काल में भी असंख्य क्रूरतम घटनाएँ इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं जिन्हें पढ़कर आज भी प्रत्येक भारतीय आत्मा रो उठती है । अंग्रेजों ने भी क्रूरता और अत्याचार की सभी मयार्दाएँ तोड़ीं हैं। ऐसी ही एक घटना कानपुर के पास बिठूर की है । अंग्रेजों ने एक तेरह वर्षीय बालिका मैना देवी को पहले कठोरतम यातनाएँ दीं और फिर जिन्दा जलाया। इस बालिका मैना देवी का अपराध इतना था कि वह नाना साहब पेशवा की दत्तक पुत्री थी ।

1857 के स्वाधीनता संग्राम में कानपुर एक प्रमुख केन्द्र था । यहीं से ही क्राँति के संदेश देश भर में भेजे गये थे। प्रत्येक स्थान के लिये क्रान्ति के कारण और तिथियाँ अलग थीं। सबको संयोजित करने की योजना कानपुर में ही बनी थी। इसकी कमान नाना साहब पेशवा के हाथ में थी । उनकी ओर से तात्याटोपे ने टोली बनाकर भारत भर में संदेश वाहक भेजे थे। संदेशों के आदान प्रदान का काम भ्रमण करने वाले संन्यासी और ग्राम पुरोहित कर रहे थे। देश भर में वातावरण बनाकर कानपुर में क्राँति का शंखनाद किया गया और नाना साहब ने सत्ता भी संभाल ली।

नाना साहब पेशवा ने सभी अंग्रेज परिवारों को सुरक्षित आगरा भेजने का प्रबंध भी कर लिया था। इसके लिये दो सौ नावें एकत्र कर लीं गई थी ताकि जल मार्ग से ये सभी यूरोपीय परिवार सुरक्षा के साथ जा सकें कुछ नावें रवाना भी हुईं किन्तु सत्ती चौरा में कुछ सैनिकों में प्रतिक्रिया हुई और कुछ अंग्रेज परिवारों को मार डाला गया। इस घटना से अंग्रेज बौखलाए। समाचार लंदन तक पहुंचा। कानपुर में दमन के आदेश हुये। अपनी क्रूरतम सैन्य कार्रवाई के लिये कुख्यात जनरल नील और जनरल हैवलॉक अपनी अपनी सेनायें लेकर कानपुर पहुँचे। अंग्रेजों का पारा सातवें आसमान पर था। उन्हें किसी भी प्रकार अपनी सत्ता तो वापस पाना ही थी, किन्तु इससे अधिक वे अंग्रेज परिवारों के वध का बदला लेना चाहते थे वह भी इस क्रूर योजना के साथ कि भविष्य में कोई भी अंग्रेज परिवारों पर आँख उठाकर देखने ने दुस्साहस न कर सके ।

जनरल नील और हैवलॉक की सेनाओं ने पूरे क्षेत्र पर घेरा डाला और कत्लेआम प्रारम्भ कर दिया। यह कत्लेआम पहले कानपुर नगर के आसपास के गाँव में हुआ। कानपुर नगर के सभी संपर्क मार्ग बंद कर दिये गये थे। ताकि कोई न नगर से बाहर जा सके और कोई भीतर आ सके। खाद्यान, सब्जी या सैनिक सामग्री आदि किसी भी प्रकार की सहायता नगर के भीतर न पहुँच सकी । न कोई संदेश आ सके। इस रणनीति से कानपुर का संपर्क तो पूरे भारत से टूटा ही इसके साथ आतंक भी फैला। अंग्रेज क्राँतिकारियों का मनोबल तोड़कर आत्म समर्पण के लिये विवश भी करना चाहते थे और नाना साहब को जीवित पकड़ना चाहते थे। लेकिन नाना सहाब भी अपनी रणनीति से काम कर रहे थे। अंग्रेजों तो सूचना थी कि नाना सहाब कानपुर में हैं लेकिन वे बिठूर से क्राति का संचालन कर रहे थे।

नाना सहाब को पकड़ने के लिये अंग्रेजी सेना ने पहले कानपुर में विध्वंस और नरसंहार किया। यहाँ उन्हें नाना साहब के बिठूर पहुँचने की सूचना मिली। अंग्रेजी सेना फिर बिठूर पहुँची। बिठूर का किला घेर लिया गया। नाना साहब जानते थे कि कानपुर के बाद अंग्रेज बिठूर आयेगें वे बिठूर का किले की नाकाबंदी होने से पहले ही वेश बदलकर निकल गये पर उनके द्वारा गोद ली गई बालिका मैना देवी वहीं किले में रह गई। नाना साहब ने मैना को तब गोद लिया था जब वह बहुत छोटी थी। मैना देवी उसी किला महल में खेल कूद कर बड़ी हुई थी।

यहाँ इतिहासकारों के अलग अलग मत हैं। कुछ का मानना है कि नाना साहब अपनी पुत्री को भी साथ ले जाना चाहते थे पर वह स्वयं जिद करके मैना वहीं रुक गई। जबकि कुछ का मानना है कि मैना देवी बिठूर में पहले से थी। नाना साहब जब वेष बदलकर कानपुर से निकले तब वे बिठूर आये ही नहीं थे। नाना साहब कानपुर से अज्ञातवास को चले गये थे। उन्होंने अज्ञातवास से ही अपने विश्वासपात्र सैनिकों को बालिका को लेने के लिये बिठूर भेजा तब तक देर हो चुकी थी। बिठूर का किला घिर चुका था । कुछ सैनिक बालिका को निकालते किले में प्रविष्ट तो हो गये पर वे बाहर न निकल सके । सत्तीचौरा कांड के बाद बौखलाए अंग्रेजों ने यहाँ भी वही रणनीति अपनाई । न कोई बाहर आ सके और न कोई भीतर जा सके । उन्होंने पानी की सप्लाई भी काट दी थी। अंग्रेज सत्ती चौरा कांड केलिये नाना साहब को ही जिम्मेदार मान रहे थे । इसलिये नाना साहब को बहुत जल्द जिन्दा या मुर्दा पकड़ना चाहते थे। घेरा डालकर अंग्रेज सेना की तोपें गरज उठी । महल लगभग ध्वस्त हो गया । सेना अंदर घुसी।

सैनिकों को जो सामने दिखा उसे मौत के घाट उतारा। सारा सामान लूटा और बालिका मैना बाई को पकड़कर सैन्य अधिकारी आउटरम के सामने पेश किया गया । फिर हैवलॉक के सामने लाया गया । अंग्रेजों ने बालिका से नाना साहब का पता पूछा। बालिका जानती ही नहीं थी कि नाना साहब कहाँ हैं। हैवलॉक के आदेश पर बालिका को कठोर यातनाएँ दी गईं । खंबे से बाँधकर गर्म सलाखों से दागा गया । जली हुई त्वाचा पर नमक मिरची डालकर नाना साहब का पता पूछा गया। एक तो बालिका को पता ही न था कि वह नाना साहब कहाँ हैं, दूसरे वह नाना साहब की दत्तक पुत्री थी उसका पालन पोषण स्वाभिमान जागरण के साथ हुआ था।

यातनाओं के बीच भी बालिका ने स्पष्ट और बेझिझक उत्तर दिये । वह अचेत हो गई। अंग- अंग से घायल वह तेरह वर्षीय बालिका दो दिन तक पेड़ से बंधी रही। उसे पानी तक नहीं दिया गया। दो दिन बाद उस पर घासलेट डालकर आग लगा दी गई। वह 3 सितम्बर 1857 का दिन था । जब अंग्रेजों की क्रूरता से इस बालिका का बलिदान हुआ । इसके बाद पूरे महल को तोप से ध्वस्त कर दिया गया। जितने लोग जिन्दा मिले सभी मार डाले गये और नाना साहब का पता बताने वाले को एक लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा हुई। पर नाना साहब का पता कभी किसी को न लगा ।

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि नाना साहब नेपाल चले गये थे और वहीं उन्होंने देह त्यागी। जबकि कुछ इतिहासकारों का मानना था कि वे मध्य प्रदेश में पार्वती नदी के किनारे बसे गांव पीलूखेड़ी में साधुवेश में रहे और वहीं उन्होंने देह त्यागी। सत्य जो भी हो किन्तु जिस प्रकार बालिका मैनादेवी का बलिदान हुआ उस वृतांत को पढ़कर आज भी भारतीयों की आँखे नम हो जाती हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में से लगभग 20,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, 174 राहत कैंपों में बसेरा कर रहे हैं 5167 लोग: हरदीप सिंह मुंडियां

अब तक 3.54 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए, 30 लोगों की गई जान और 1400 गाँव बाढ़ की चपेट में आए

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि पंजाब हाल के दशकों की सबसे बड़ी बाढ़ों में से एक का सामना कर रहा है, जिसमें 23 जिले बाढ़ की चपेट में आने से 30 लोगों की जान गई हैं और 3.54 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय पर राहत पहुँचाने, लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

कैबिनेट मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक निचले और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 19,597 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें गुरदासपुर से (5581 व्यक्ति), फिरोजपुर (3432), अमृतसर (2734), फाजिल्का (2422), होशियारपुर (1615), कपूरथला (1428) और पठानकोट (1139) शामिल हैं। इसके अलावा बरनाला (369), जालंधर (474), रूपनगर (65), मानसा (163), मोगा (115) और तरन तारन से (60) लोगों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित परिवारों को आश्रय और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पंजाब भर में 174 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। इनमें बरनाला में 29 शिविर, पटियाला में 26, गुरदासपुर में 25, होशियारपुर में 20, अमृतसर में 16, पठानकोट में 14, फाजिल्का में 10, मोगा में 9, फिरोजपुर और जालंधर में 8-8, कपूरथला में 4, रूपनगर में 3 और मानसा व संगरूर में 1-1 शिविर शामिल हैं। इस समय इन शिविरों में 5167 लोग रह रहे हैं, जिनमें से सबसे

अधिक होशियारपुर (1041 व्यक्ति), फाजिल्का (1304), फिरोजपुर (706), गुरदासपुर (424), अमृतसर (371), बरनाला (369) और जालंधर (474) के हैं। इसके अलावा मानसा के 163, मोगा के 115, संगरूर के 60, कपूरथला के 57, पठानकोट के 48 और रूपनगर के 35 लोग शामिल हैं।

गाँवों के नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए स. मुंडियां ने बताया कि कुल 1400 गाँव बाढ़ की चपेट में आए हैं। इनमें सबसे अधिक प्रभावित गुरदासपुर जिले के (324 गाँव), अमृतसर (135), होशियारपुर (119), कपूरथला (115), मानसा (108), फिरोजपुर (93), पठानकोट (82), फाजिल्का (72), जालंधर (62) और तरन तारन (66) गाँव हैं। इसके अलावा मोगा के 48 गाँव, रूपनगर के 44, बरनाला के 34, लुधियाना के 26, श्री मुक्तसर साहिब के 23, पटियाला के 16, फरीदकोट के 15, संगरूर के 13 और मलेरकोटला के 5 गाँव प्रभावित हुए हैं।

स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि बाढ़ के कारण पंजाब के 13 जिलों में कुल 3,54,626 की आबादी प्रभावित हुई है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में गुरदासपुर में 1,45,000 लोग, अमृतसर में 1,17,534, फिरोजपुर में 38,112 और फाजिल्का में 21,562 लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य जिलों में पठानकोट में 15,053, कपूरथला में 5748, एस.ए.एस. नगर में 7000, होशियारपुर में 1960 और जालंधर में 991 लोग प्रभावित हुए हैं। कम प्रभावित जिलों में बरनाला (403), मोगा (800), रूपनगर (300) और मानसा (163) लोग प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में 1,48,590 हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसल को नुकसान पहुँचा है। इनमें सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में गुरदासपुर (40,193 हेक्टेयर), मानसा (27,291), अमृतसर (23,000), कपूरथला (14,934), फिरोजपुर (14,665) और तरन तारन (11,883 हेक्टेयर) शामिल हैं। इसके अलावा होशियारपुर (5971), जालंधर (3000) और पठानकोट (2442) हेक्टेयर भी प्रभावित हुए। इसी तरह एस.ए.एस. नगर (2000), पटियाला (1450), मोगा (949), रूपनगर (300), फरीदकोट (141), लुधियाना (108), बठिंडा (97), श्री मुक्तसर साहिब (84), फाजिल्का (64), एसबीएस नगर (7), मलेरकोटला (5), संगरूर (3), बरनाला (2) और फतेहगढ़ साहिब में (1) हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुँचा है।

राहत कार्यों में सुरक्षा बलों की तैनाती के बारे में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि प्रभावित जिलों में 23 एन.डी.आर.एफ. टीमें पूरी मेहनत से काम कर रही हैं, जिनमें पठानकोट में (1) टीम, गुरदासपुर (6), अमृतसर (6), फिरोजपुर (3), फाजिल्का (3), बठिंडा (1), जालंधर (2) और रूपनगर में (1) टीम शामिल है। सेना, वायुसेना और नौसेना ने बचाव और राहत कार्यों के लिए 12 टुकड़ियाँ तैनात की हैं और 8 टुकड़ियों को तैयार रखा गया है। इसके साथ ही 2 इंजीनियर टीमें और लगभग 35 हेलीकॉप्टर राहत कार्यों में लगे हुए हैं। बीएसएफ सीमा जिलों में जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान कर रही है। इसके अलावा राहत सामग्री पहुँचाने और लोगों को बाहर निकालने के लिए 114 नावें और राज्य का एक हेलीकॉप्टर भी काम में लगाया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 1 अगस्त से 2 सितम्बर तक 12 जिलों में कुल 30 लोगों की जान गई है, जिनमें से सबसे अधिक 6 मौतें पठानकोट में हुई हैं और पठानकोट के 3 लोग अब भी लापता हैं। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद पशुओं और बुनियादी ढाँचे के नुकसान का आकलन किया जाएगा, लेकिन शुरूआती रिपोर्टें भारी नुकसान की ओर इशारा करती हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की जान पंजाब सरकार के लिए सबसे कीमती: अमन अरोड़ा

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स. भगवंत मान की गतिशील अगुवाई में पंजाब सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों को लगातार राहत प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सूबे के सभी कैबिनेट मंत्री लोगों को राहत सामग्री और सहायता प्रदान करने के लिए अलग-अलग गाँवों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुँच रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री स. हरपाल सिंह चीमा और खाद्य, नागरिक आपूर्ति, वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने पठानकोट जिले के भोआ हलके के बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा किया और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने आज कथलौर पुल, कोलियां अड्डा, पम्मा, सियोंटी तरफ और नरोट जैमल सिंह का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार इस कठिन समय में राहत सामग्री प्रदान करने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने धुस्सी डैम का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा स. हरपाल सिंह चीमा ने भोआ हलके के लिए राहत सामग्री से भरे चार ट्रक भी भेजे।

इस दौरान, कैबिनेट मंत्री और ह्यआपह्न के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमन अरोड़ा तथा जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने स्थिति का जायजा लेने के लिए मकरोड़ साहिब के पास घग्गर और जिला संगरूर के सुनाम के सरहिंद चोअ का दौरा किया। उन्होंने जमीनी हालात का जायजा लिया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जरूरतों का आंकलन किया।

इसके अलावा, कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने सुल्तानपुर लोधी तहसील के गाँव मंड इंदरपुर और भड़ोआणा का दौरा किया तथा बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण किया और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद का भरोसा दिया।

कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने ससराली कॉलोनी के पास सतलुज नदी के धुस्सी बांध का दौरा किया और स्थिति का जायजा लेकर जरूरी निर्देश जारी किए। इसी तरह ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, श्रम, पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री श्री तरुनप्रीत सिंह सौंध ने खन्ना के गब पुल का दौरा किया और पानी की निकासी का निरीक्षण किया।

कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने अजनाला और रामदास जैसे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सहायता प्रदान करने के लिए 15 ट्रालियों राहत सामग्री, खाने-पीने की चीजें, दवाइयाँ तथा पशुओं के लिए चारा ले जाने वाले 10 छोटे वाहनों की व्यवस्था की।

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने होशियारपुर जिले की शामचौरासी विधानसभा हलके के गाँव पंडोरी खजूर का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तथा उनके लिए किए जा रहे जरूरी प्रबंधों का जायजा लिया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने गाँव बेदी छन्ना का दौरा किया और मेडिकल कैंप का निरीक्षण करने के लिए गाँव के गुरुद्वारा साहिब गए तथा लोगों को राहत सामग्री भी वितरित की। उन्होंने अजनाला और रामदास के बाढ़ प्रभावित इलाकों में निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर से 23 एंबुलेंसें भेजीं। इस दौरान लोकसभा सदस्य गुरमीत सिंह मीत हेयर और विधायक स. कुलदीप सिंह धालीवाल भी मौजूद थे।

पंजाब के जेल और परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने आज हरीके पत्तन (जिला तरनतारन) और जल्लोके के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति एवं नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को भोजन किटें, पानी, राशन आदि राहत सामग्री बाँटी और पशुओं के लिए चारा, तूड़ी और फीड की भी व्यवस्था की।

बैंस ने बरसते बारिश में प्रभावित लोगों तक पहुँचकर प्रबंधों का लिया जायजा

संवाददाता
चंडीगढ़/नंगल

लगातार बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के मद्देनजर हुए श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र में बचाव और राहत कार्य सुनिश्चित बनाने के लिये आगे आते हुये पंजाब के शिक्षा एवं सूचना और लोक संपर्क मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज सतलुज दरिया के किनारे स्थित दर्जन से अधिक प्रभावित गाँवों का दौरा किया, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता यकीनी बनायी जा सके।

भारी बारिश के बावजूद, स. बैंस नाव और मोटरसाइकिल के जरिये राहत कैंपों तथा हरसा बेला, भनाम, भलाण, भल्लड़ी, नांगड़ा, बेला रामगढ़ और बेला धियानी सहित विभिन्न गाँवों तक पहुँचे और प्रबंधों का जायजा लिया।

प्रबंधों का जायजा लेते हुए मंत्री ने अधिकारियों को अपनी ड्यूटी पूरी लगन और ईमानदारी से निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की जनता के जान-माल की सुरक्षा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया।

स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को चिकित्सीय सहायता, भोजन और रैन बसेरा सहित आवश्यक मदद प्रदान करने के लिए श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र में 30 से अधिक राहत कैंप स्थापित किए गए हैं।

शिक्षा मंत्री ने स्थानीय संगठनों, जिनमें युवा क्लब और महिला मंडल शामिल हैं, से अपील की कि वे राहत कार्यों में जिला प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने नहर के किनारों का भी जायजा लिया और पानी के कटाव से होने वाले संभावित नुकसान को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत केंद्र सक्रिय हैं और सावधानी के तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों के निवासियों को सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा तरनतारन उपचुनाव से पहले विशेष संक्षिप्त संशोधन पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक

संवाददाता
चंडीगढ़

तरनतारन विधानसभा क्षेत्र-21 के उपचुनाव से पहले, पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने फोटो वोटर सूची के चल रहे विशेष संक्षिप्त संशोधन पर चर्चा करने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाई। इस मतदाता सूची की पात्रता तिथि 1 जुलाई, 2025 है।

बैठक के दौरान सिबिन सी ने राजनीतिक दलों को 2 सितम्बर, 2025 को मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने राजनीतिक दलों को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्षेत्र में पोलिंग स्टेशनों की तार्किकरण और एकीकरण पूरा कर लिया गया है।

क्षेत्र में अब कुल पोलिंग स्टेशनों की संख्या 222 (शहरी - 60 और ग्रामीण - 162) है। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी पोलिंग स्टेशनों पर मतदाताओं की संख्या 1,200 से अधिक न हो और किसी भी मतदाता को मतदान के लिए दो किलोमीटर से अधिक की दूरी तय न करनी पड़े। ड्राफ्ट सूची के अनुसार तरनतारन विधानसभा क्षेत्र-21 में मतदाताओं की कुल संख्या 1,93,275 है। दावे और आपत्तियाँ 2 सितम्बर से 17 सितम्बर 2025 तक दायर की जा सकती हैं। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितम्बर 2025 को निर्धारित किया गया है। सिबिन सी ने सभी राजनीतिक दलों से मतदाताओं को अपडेट करने के बारे में जागरूकता पैदा करने और दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज कराने की प्रक्रिया में मतदाताओं की मदद करने के लिए बूथ लेवल एजेंटों (बी.एल.ए.) को नियुक्त करके संशोधन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान देने की अपील की।

सिबिन सी ने कहा, ह्लनिर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। उनके बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से, हम सभी दलों से अपील करते हैं कि वे मतदाताओं तक पहुँचें, मतदाता सत्यापन को प्रोत्साहित करें और मतदाता सूची के संशोधन की प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी को यकीनी बनाने के लिये अपील करते हैं।

इसके अतिरिक्त, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब ने मतदाताओं द्वारा ई.आर.ओ. के आदेशों के विरुद्ध 15 दिनों के भीतर डी.ई.ओ. के समक्ष दावे और आपत्तियों के संबंध में अपील करने के प्रावधान के बारे में बताया और साथ ही यह जानकारी भी दी कि गलती से हटाए गए नामों को शामिल करने और यदि आवश्यक हो तो आर.पी. अधिनियम/नियमों के अनुसार मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी.ई.ओ.) तक पहुँचने की व्यवस्था संबंधी जानकारी दी।

लालजीत भुल्लर ने हरिके पत्तन के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और जल्लोके के पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के जेल एवं परिवहन मंत्री स लालजीत सिंह भुल्लर ने आज जिला तरन तारन के विधानसभा क्षेत्र पट्टी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और गांव जल्लोके के लोगों को राहत सामग्री वितरित की।

नदी के पानी से उत्पन्न मौजूदा स्थिति और हुए नुकसान की भरपाई का भरोसा दिलाते हुए उन्होंने जरूरतमंद लोगों को फूड किट, पानी, राशन आदि राहत सामग्री प्रदान की और साथ ही पशुओं के लिए चारा, तूड़ी और फीड की व्यवस्था भी की।

इस अवसर पर स भुल्लर ने लोगों से कहा कि वर्षा की ताजा स्थिति के कारण नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन तरन तारन प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक प्रबंध कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न गांवों के गुरुद्वारों में बनाए गए राहत शिविरों में लोगों को पहुंचाने और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करवा रहा है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण उत्पन्न इन कठिन हालातों में हम सभी को एक परिवार की तरह बाढ़ पीड़ितों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और जिला प्रशासन तो राहत कार्यों में लगे ही हैं, साथ ही समाजसेवी संस्थाएँ भी प्रभावित इलाकों के लोगों के लिए सहयोग दे रही हैं।

कैबिनेट मंत्री स भुल्लर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार हर मुश्किल समय में राज्य के प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान की पूरी भरपाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार, प्रशासन, सामाजिक संगठन और आम लोग सभी मिलकर बड़े स्तर पर प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

श्री गुरू तेग बहादुर जी की यात्रा का प्रयागराज में भव्य स्वागत

प्रयागराज/चंडीगढ़। सिक्ख धर्म के नौवें गुरू श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित धार्मिक यात्रा आसाम से चलकर गत दिवस प्रयागराज पहुंची, जहां उसका तहे दिल के साथ श्रद्धापूर्वक संगत ने स्वागत किया। गुरू जी की सवारी शहर के जिस जिस क्षेत्र से गुजरी, वहां के लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान शहर में जगह जगह पर लंगर और चाय पानी की व्यवस्था की गई जिसे श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। इस यात्रा में प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध मूंछ नृत्य कलाकार राजेन्द्र तिवारी उर्फ दुकान जी ने भी शिरकत की और पालकी साहिब पर फूलों की माला चढ़ाई और प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सारा शहर जो बाले सो निहाल और हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा।

एमवे के न्यूट्रिलाइट को मिली एनएफएसयू की मान्यता

अमृतसर। एमवे इंडिया ने घोषणा की है कि उसके प्रमुख ब्रांड न्यूट्रिलाइट के पाँच उत्पादों को राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) -- न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट टेस्टिंग फॉर स्पोर्ट्सपर्सन के प्रतिष्ठित ट्रस्टेड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह मान्यता एमवे की उस अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत वह उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित न्यूट्रिशन उत्पाद उपलब्ध कराता है। मान्यता प्राप्त पाँच प्रमुख उत्पाद हैं -- न्यूट्रिलाइट ऑल प्लांट प्रोटीन, न्यूट्रिलाइट कैल मैग डी प्लस के2, बोसवेलिया के साथ न्यूट्रिलाइट ग्लूकोसामाइन एचसीएल, न्यूट्रिलाइट सैल्मन ओमेगा 3 सॉफ्टजेल, और न्यूट्रिलाइट डेली प्लस। ये उत्पाद वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (डब्ल्यूएडीए) द्वारा निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुपालन हेतु प्रमाणित हैं। इन उत्पादों की स्वतंत्र रूप से जाँच की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये उत्पाद स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन मानकों का उल्लंघन न करें। इस उपलब्धि पर एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा कि ऐसे समय में जब न्यूट्रिशन सप्लीमेंट्स की सुरक्षा और प्रामाणिकता पर चर्चा जोर पकड़ रही है, यह मान्यता हमारे 90 वर्ष पुराने विरासती ब्रांड न्यूट्रिलाइट के प्रति उपभोक्ताओं के स्पष्ट विश्वास और आत्मविश्वास को और मजबूत करती है। यह हमें एक भरोसेमंद पारिवारिक ब्रांड के रूप में स्थापित करता है और साथ ही प्रमाणित गुणवत्ता की तलाश करने वाले एथलीटों और फिटनेस प्रेमियों के लिए भी इसे और प्रासंगिक बनाता है। एमवे इंडिया में, हमने हमेशा गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद करने के हमारे विजन के अनुरूप हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे हर प्रयास में यही उद्देश्य झलके। न्यूट्रिशन के क्षेत्र में हमारी दशकों की विशेषज्ञता, जो दुनिया के रु1 बिकने वाले विटामिन और डाइटरी सप्लीमेंट ब्रांड न्यूट्रिलाइट द्वारा समर्थित है, समग्र भलाई को समर्थन देने वाले भरोसेमंद न्यूट्रिशन उत्पाद उपलब्ध कराने की हमारी इस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

सेम्प्रे न्युट्रिशन्स लिमिटेड ने तोलाराम वेलनेस लिमिटेड के साथ मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट पर हस्ताक्षर किए

चंडीगढ़। सेम्प्रे न्युट्रिशन्स लिमिटेड, लिडिंग कन्फेक्शनरी मेन्युफेक्चरिंग, ने घोषणा की है कि कंपनी ने नाइजीरिया की तोलाराम वेलनेस लिमिटेड के साथ एक मेन्युफेक्चरिंग एग्रिमेन्ट किया है। इस करार के तहत, सेम्प्रे न्यूट्रिशन्स, स्पेसिफिकेशन्स और क्वोलिटी स्टान्डर्स के अनुसार, तोलाराम वेलनेस को न्यूट्रास्युटिकल और खाद्य उत्पादों का निर्माण और आपूर्ति करेगा। इस एग्रिमेन्ट से 10 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार होने की उम्मीद है, जो तीन वर्षों में लगभग 30 करोड़ रुपये तक बढ़ जाएगा। इस एग्रिमेन्ट पर टिप्पणी करते हुए, सेम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के प्रबंधन ने कहा हमें इस विनिर्माण समझौते के तहत तोलाराम वेलनेस लिमिटेड के साथ साझेदारी करके ख़ुशी हो रही है। यह एग्रिमेन्ट न्यूट्रास्युटिकल और खाद्य उत्पाद निर्माण में हमारी नींव को मजबूत करता है और हमारी क्वोलिटी ड्रिवन एक्सपान्शन प्लान्स को समर्थन प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत स्थिर वार्षिक कारोबार, हमारे हालिया मजबूत तिमाही प्रदर्शन और नियोजित धन उगाहने की पहलों के साथ, हमें परिचालन का विस्तार करने और वैश्विक ग्राहकों को विश्वसनीय रूप से सेवा प्रदान करने में मदद करेगा।

आपदा

हजारों लोगों को इलाज उपलब्ध, 424 एम्बुलेंसें कार्यरत और डॉक्टर अग्रिम पंक्ति में तैनात

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह वचनबद्ध

संवाददाता
चंडीगढ़

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज यहाँ बताया कि राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं के मोर्चे की अगुवाई करते हुए पंजाब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने नागरिकों की सेहत और भलाई के लिए लामबंदी, इलाज और बीमारियों की रोकथाम पर केंद्रित बहु-आयामी रणनीति अपनाई है। इसमें 818 टीमें, जिनमें 458 रैपिड रिस्पॉन्स टीमें और 360 मोबाइल मेडिकल टीमें शामिल हैं, आवश्यक दवाइयों से पूरी तरह सुसज्जित हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य राज्य के हर व्यक्ति तक चिकित्सीय सुविधा पहुँचाना है और हम इस वायदे को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों में प्रतिदिन मेडिकल कैंप लगाए जा रहे हैं ताकि निर्बाध इलाज उपलब्ध कराया जा सके। अब तक 962 कैंप लगाए जा चुके हैं, जहाँ 31,876 से अधिक मरीजों की जांच की गई है और दस्त, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, त्वचा व आँखों की एलर्जी और कुत्तों के काटने जैसी बीमारियों का उपचार किया गया है। स्वास्थ्य टीमें मौके पर ही गर्भवती महिलाओं की जांच कर उन्हें प्राथमिकता भी दे रही हैं।

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि हमारे पास इस संकट से निपटने के लिए एक मजबूत तंत्र मौजूद है। राज्य के पास बाढ़ राहत हेतु विशेष रूप से चयनित 66 आवश्यक दवाइयों और 21 वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसके अलावा जिलों को अलग-अलग फंड आवंटित किए गए हैं ताकि प्रत्येक अस्पताल आवश्यक दवाइयाँ खरीद सके और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करा सके।

बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए किए जा रहे सक्रिय उपायों पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में तैनात 11,103 से अधिक आशा वर्कर घर-घर जाकर दवाइयाँ बाँट रही हैं और जलजनित व वेक्टर जनित रोगों के प्रति जागरूकता फैला रही हैं। वे गर्भवती महिलाओं की निगरानी व देखभाल को भी प्राथमिकता दे रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि नियमित टीकाकरण समय-सारणी में बाधा न आए।

मेडिकल बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 170 एम्बुलेंसें तैनात की हैं। इस बेड़े को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.), नर्सिंग कॉलेजों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा उपलब्ध करवाई गई 254 अन्य पूर्ण रूप से सुसज्जित एम्बुलेंसों के सहयोग से और विस्तारित किया गया है। डॉ. बलबीर सिंह ने पुष्टि की कि कुल 424 एम्बुलेंसों को कार्यरत करके हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर समय चिकित्सीय सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि जिला गुरदासपुर में दो विशेष नाव एम्बुलेंसें और गर्भवती महिलाओं समेत गंभीर मरीजों की आपातकालीन एयरलिफ्ट हेतु एक हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है। अब तक पाँच गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित निकाला गया है और समय पर चिकित्सीय देखभाल प्रदान की गई है।

फ्रंटलाइन टीमों को सुदृढ़ करने के लिए एक अहम कदम के तहत स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 322 नए मेडिकल ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 138 को विशेष रूप से 7 सबसे अधिक प्रभावित जिलों में तैनात किया गया है। ये अधिकारी मोबाइल टीमों और एम्बुलेंस सेवाओं का नेतृत्व करेंगे, मेडिकल कैंपों का संचालन करेंगे और संभावित बीमारियों के प्रसार की निगरानी करेंगे।

मंत्री ने सहयोगी संगठनों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम आई.एम.ए. पंजाब, नर्सिंग कॉलेजों, निजी अस्पतालों और पंजाब केमिस्ट एसोसिएशन के सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने मदद के लिए आगे आकर सामुदायिक भावना का परिचय दिया है।

डॉ. बलबीर सिंह ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशानुसार पंजाब सरकार निरंतर मेहनत कर रही है। हमारी टीमें निर्बाध स्वास्थ्य देखभाल और रोकथाम सेवाएँ प्रदान करने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। हम हर नागरिक को भरोसा दिलाते हैं कि हम आपके साथ खड़े हैं और इस संकट के पूरी तरह समाप्त होने तक हर संभव राहत प्रदान करते रहेंगे।

भारत, अमेरिका इस मुद्दे को 'सुलझा लेंगे' : अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेन्ट

मामला: भारत और अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर तनातनी जारी

एजेंसी (हि.स.)
न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर जारी तनातनी के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा है कि अंततः ये दो महान देश इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में बेसेन्ट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को व्यापक तौर पर प्रदर्शनात्मक करार दिया। यह बयान तब आया जब चीन के तियानजिन शहर में रविवार और सोमवार को एससीओ का वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ।

बेसेन्ट ने सोमवार को कहा, यह एक पुराना आयोजन है, जिसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है, और मुझे लगता है कि यह व्यापक रूप से एक प्रदर्शनात्मक आयोजन है।

उन्होंने कहा, आखिरकार, भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला लोकतंत्र है। उनके मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। बेसेन्ट ने आगे कहा, मुझे लगता है कि अंततः ये दो महान देश (भारत और अमेरिका) इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। लेकिन रूस से तेल खरीदने और फिर उसे पुनः बेचने के मामले में भारतीयों ने अच्छा व्यवहार नहीं किया है। इससे यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयास को वित्तीय समर्थन मिला है। भारत ने रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए कहा है कि उसकी ऊर्जा आवश्यकताएं राष्ट्रीय हितों और बाजार की स्थिति पर आधारित हैं।

❍ कहा, भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब

फोटोः हि.स.

फॉक्स न्यूज के अनुसार, अमेरिका-भारत व्यापार वाताओं में धीमी प्रगति को भी व्हाइट हाउस द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने के एक कारण के रूप में देखा जा रहा है। बेसेन्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीद के चलते भारत पर 50 प्रतिशत तक के शुल्क लगाए हैं। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अकारणद्व बताया है। उन्होंने यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय बैठकों से जुड़े सवालों पर दी। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-अमेरिका संबंध पिछले दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर माने जा रहे हैं, जिसे ट्रंप प्रशासन की शुल्क नीति और नयी दिल्ली के प्रति उसके लगातार आलोचनात्मक रुख ने और गहरा किया है। बेसेन्ट ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर प्रतिबंधों पर विचार कर रहा है और सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि सब कुछ सामने है। राष्ट्रपति पुतिन ने एंकोरेज में ऐतिहासिक बैठक के बाद, फोन कॉल के बाद, जब सोमवार को यूरोपीय नेता और राष्ट्रपति जेलेंस्की व्हाइट हाउस में थे–जो संकेत दिए थे, उसके विपरीत कार्य किया है। वास्तव में, उन्होंने अत्यंत निंदनीय तरीके से बमबारी अभियान को और तेज कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ, सभी विकल्प खुले हैं, और हम इस सप्ताह उनका बहुत गंभीरता से अध्ययन करेंगे।

अफगानिस्तान के कुनार में विनाशकारी भूकंप से 900 से अधिक मौतें, राहत कार्य बाधित

❍ पूरी बस्तियां हुईं तबाह, बचाव कार्य में मुश्किलें

एजेंसी (हि.स.)
काबुल

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अब तक मृतकों की संख्या 900 से अधिक हो गई है, जबकि 3000 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप का केंद्र जलालाबाद से करीब 27 किलोमीटर दूर था। इसके बाद 5.2 तीव्रता के दो झटके भी महसूस किए गए। सरकारी प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 900 लोग मारे गए और 3000 घायल हो गए।

तालिबान सरकार के अनुसार, नुर्गल, सावकी, वाटपुर, मनोगी, चौके और चापा दारा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई गांव पूरी तरह मिट्टी में समा गए हैं। एक वरिष्ठ तालिबान अधिकारी ने बीबीसी को बताया, तबाही की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारी प्राथमिकता मलबे से शव निकालना नहीं, बल्कि जिंदा बचे लोगों तक पहुंचना है ।द्व भूस्खलन और लगातार बारिश ने अधिकांश सड़कों को बंद कर दिया है, जिससे बचाव दलों को हवाई मार्ग पर निर्भर रहना पड़ रहा है। अब तक लगभग 420 घायलों और मृतकों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया है।

फोटोः हि.स.

मानव संकट गहराया, अंतरराष्ट्रीय मदद धीमी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान पहले से ही गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है, जहां आधी से ज्यादा आबादी को तुरंत मदद की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी विदेशी सरकार ने सीधे तौर पर बड़ी मदद नहीं भेजी है। हालांकि, भारत ने 1,000 फैमिली टेंट काबुल भेज दिए हैं और 15 टन खाद्य सामग्री कुनार पहुंचाने की प्रक्रिया में है। साथ ही भारत ने कहा है कि मंगलवार से और अधिक राहत सामग्री भेजी जाएगी। जबकि चीन ने जरूरत के अनुसार मदद देने की घोषणा की है।

अफगान सरकार ने किया 14.6 लाख डॉलर देने का वादा

अफगान सरकार ने भूकंप से निपटने के लिए तत्काल 14.6 लाख डॉलर देने का वादा किया है। टोलोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने घोषणा की है कि सरकार ने भूकंप पीड़ितों की सहायता के लिए तत्काल सेवाओं हेतु 10 करोड़ अफगान डॉलर (14.6 लाख डॉलर) आवंटित किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर यह राशि बढ़ाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से भूकंप से निपटने के लिए समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने चेन्नई में 10 स्थानों पर की छापेमारी

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को चेन्नई में 10 स्थानों पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई के तहत तमिलनाडु के नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के परिसरों में तलाशी ली गई है। ये छापेमारी कथित वित्तीय अनियमितताओं और अनुपातहीन संपत्ति संचय की जांच के सिलसिले में की गई है।

सूत्रों के अनुसार ईडी की टीमों ने अडयार, तेयनपेट, सीआईटी कॉलोनी और एमआरसी नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संपत्तियों की तलाशी ली, जो कथित तौर पर मंत्री नेहरू के बेटे केएन अरुण और भाई केएन रवि चंद्रन से जुड़ी हुई थीं। अन्य स्थानों में नेहरू के भाइयों मणिवन्नन और रवि चंद्रन के चेन्नई और कोयंबतूर में आवास शामिल हैं। ईडी राज्य में राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़े संभावित वित्तीय कदाचार की जांच कर रही है। छापेमारी का उद्देश्य धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामले में कथित धन शोधन पर सबूत इकट्ठा करना था।

फोटोः हि.स.

यह जांच एक बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़ी है जिसमें ट्रूडम ईपीसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी शामिल है, जिसमें केएन नेहरू के भाई रवि चंद्रन निदेशक हैं। कंपनी ने कथित तौर पर इंडियन ओवरसीज बैंक से 22 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की, जिससे ईडी ने धन शोधन जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या की

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में केरलापाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिरसेटी गांव में नक्सलियों द्वारा दो ग्रामीणों की हत्या किए जाने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा, "पुलिस सूचनाओं की पुष्टि कर रही है तथा इस संबंध में आगे की जरूरी कार्रवाई कर रही है। घटना का विवरण बाद में साझा किया जाएगा। सुकमा पुलिस सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में इस साल अब तक माओवादी हिंसा में लगभग 35 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य के बीजापुर में नक्सलियों ने 29 अगस्त को एक 'शिक्षादूत' (सरकारी स्कूलों में अस्थायी अतिथि शिक्षक) का अपहरण कर हत्या कर दी थी। इससे पहले 27 अगस्त को सुकमा जिले में इसी तरह की घटना में एक और 'शिक्षादूत' की हत्या कर दी गई थी।

इंदौर के सरकारी अस्पताल में चूहों ने दो नवजात बच्चों के शरीर को कुतरा, जांच का आदेश

❍ चूहों ने एक बच्चे की अंगुलियों पर काटा, जबकि दूसरे बच्चे के सिर और कंधे पर दांत गड़ा दिए

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
इंदौर (मध्यप्रदेश)

इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों द्वारा पिछले 48 घंटों के दौरान दो नवजात बच्चों के शरीर को कुतरने की घटनाएं सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने मंगलवार को इसकी जांच का आदेश दिया। एमवायएच के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एमवायएच की गिनती सूबे के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में होती है।

एमवायएच के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि गुजरे 48 घंटों के दौरान चूहों ने नवजात बच्चों की सर्जरी से जुड़े विभाग की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में एक बच्चे की अंगुलियों पर काटा, जबकि दूसरे बच्चे के सिर और कंधे पर दांत गड़ा दिए। यादव ने बताया, दोनों बच्चे जन्मजात विकृतियों से जूझ रहे हैं। इनमें से एक बच्चे को खरगोन जिले में लावारिस हालत में छोड़ दिया गया था और उसे इलाज के लिए एमवायएच भेजा गया था। उन्होंने बताया कि चूहों द्वारा नवजात बच्चों के शरीर को कुतरने के मामले की जांच के लिए समिति बनाई गई है ताकि पता चल सके कि इसमें किन लोगों की लापरवाही और चूक रही है। यादव ने बताया कि एमवायएच के कर्मचारियों को ताकीद की गई है कि वे अस्पताल में पूरे 24 घंटे निगरानी बनाए रखें ताकि आइंदा ऐसी घटना न हो। उन्होंने बताया कि एमवायएच की खिड़कियों पर लोहे की मजबूत जालियां लगवाई जा रही हैं और मरीजों के तीमारदारों से कहा गया है कि वे बाहर से खाने-पीने का सामान लेकर अस्पताल के वॉर्ड में न आएं क्योंकि ये चीजें चूहों को आकर्षित करती हैं। इस बीच, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा, एमवायएच में दो नवजात शिशुओं के शरीर को चूहों द्वारा कुतरने का मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली भयावह घटना है। इस घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

संक्षिप्त-समाचार

जीएमसीएच के डॉक्टरों समेत सात निलंबित, दो पीजी प्रशिक्षु रस्टिकेटेड

गुवाहाटी। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) में 18 अगस्त को नवजात शिशु की मौत के मामले में असम सरकार ने कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। घटना की जांच में गड़बड़ी और रिकॉर्ड में हेरफेर पाए जाने पर वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. अनुपमा डेका, डॉ. दिपांकर हजारिका, डॉ. पूजा, नर्स-इन-चार्ज गोमती देवी, आईसीयू तकनीशियन ईशानज्योति तालुकदार और स्टाफ नर्स चंदना नाथ समेत कुल सात कर्मचारियों को छह माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, बाल रोग विभाग के दो पीजी प्रशिक्षु–द्वितीय वर्ष के डॉ. हृषिकेश ठाकुरिया और प्रथम वर्ष की डॉ. पूजा को गंभीर कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा और रिकॉर्ड में हेरफेर के आरोप में श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज ने छह माह के लिए रस्टिकेट कर दिया है।

कोलकाता जा रहा इंडिगो का विमान संदिग्ध रूप से पक्षी के टकराने के बाद नागपुर लौटा

नागपुर। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो का एक विमान मंगलवार की सुबह उड़ान भरने के पश्चात संदिग्ध रूप से पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 160 से 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर एहतियात के तौर पर लौटना पड़ा।
अधिकारी ने बताया कि उड़ान रद्द कर दी गई है।

अमेरिकी चुनौतियों के बीच शी और पुतिन ने 'पुराने मित्र' वाले संबंधों की पुष्टि की

बीजिंग। चीन के नेता शी चिनफिंग ने एक पुराने मित्र के रूप में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया और दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ। ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब दोनों देशों को अमेरिका से विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में, खासकर 2022 की शुरूआत में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से चीन और रूस के बीच संबंध और गहरे हुए हैं। पुतिन ने शी को प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया और कहा कि चीन के साथ रूस के संबंध अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर हैं। औपचारिक वार्ता के बाद उनकी अपने कुछ शीर्ष सहयोगियों के साथ मिलकर चाय पर एक और बैठक करने की योजना है। यह वार्ता चीनी शहर तियानजिन में दोनों नेताओं के शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के एक दिन बाद और द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में आयोजित एक भव्य चीनी सैन्य परेड से एक दिन पहले हुई है। सोवियत संघ एशिया में युद्ध के अधिकतर समय तटस्थ रहा, लेकिन 1930 के दशक में आक्रमणकारी जापानी सेना के खिलाफ शुरूआती लड़ाई में उसने चीन की सहायता की। उसने द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा भी की और जापान के कब्जे वाले पूर्वोत्तर चीन में सेना भेजी। पुतिन ने कहा, हम तब भी साथ थे, अब भी साथ हैं।

सीबीआई ने मथुरा में यूको बैंक की शाखा प्रमुख को रिश्वत मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आज मथुरा में यूको बैंक की कोतवाली रोड शाखा की वरिष्ठ प्रबंधक प्रमुख गरिमा सिंह को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उन पर एक करोड़ रुपये के लोन की एवज में चार लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता की फर्म को बैंक से एक करोड़ रुपये का सीसी लोन स्वीकृत हुआ था, लेकिन 90 लाख रुपये ही जारी किए गए। शेष 10 लाख रुपये शाखा प्रमुख ने रोक लिए और अवैध लाभ लेने की नीयत से दबाव बनाया। जब शिकायतकर्ता का बेटा बैंक पहुंचा तो शाखा प्रमुख ने लोन की रकम जारी करने के बदले चार लाख रुपये रिश्वत मांगी। यह राशि कुल लोन का चार प्रतिशत बताई गई। सीबीआई ने आज मामला दर्ज किया और जाल बिछाकर कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने आरोपी को उसके एक निजी सहयोगी के साथ दो लाख रुपये की पहली किस्त लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल सीबीआई ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

बेंगलुरु में निर्माण स्थल पर दो मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। शहर के येलहंका में एक निर्माण स्थल पर गड्ढा खोदने के दौरान निकाली गई मिट्टी का ढेर गिरने के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जे शिवा (30) और मंदुसूदन रेड्डी (55) सोमवार रात एक बड़े निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। उसने बताया कि सोमवार रात की भारी बारिश के कारण दोनों मजदूरों पर मिट्टी का ढेर गिर पड़ा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जहां सोमवार रात शिवा की मौत हो गई, वहीं मंगलवार तड़के अस्पताल में मधुसूदन ने दम तोड़ दिया। इस संबंध में येलहंका पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मुस्लिम संगठनों के विरोध के बाद कोलकाता में जावेद अख्तर का मुशायरा स्थगित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी ने कुछ मुस्लिम समूहों के विरोध के बाद प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर के एक मुशायरे को स्थगित कर दिया है। मुस्लिम संगठनों ने दावा किया कि अख्तर की कुछ टिप्पणियों से समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। अकादमी द्वारा आयोजित यह चार दिवसीय कार्यक्रम एक सितंबर से कोलकाता में आयोजित होना था। हालांकि, राज्य सरकार द्वारा संचालित अकादमी ने स्थगन का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। अकादमी की सचिव नुजहत जैनब ने मंगलवार को बताया, किसी अनिवार्य कारण से, चार दिवसीय मुशायरे को स्थगित करना पड़ा। हम नई तारीखों की घोषणा बाद में करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि पुनः निर्धारित कार्यक्रम के दौरान अख्तर अतिथियों में शामिल होंगे या नहीं। जमीयत-ए-उलेमा की राज्य इकाई के महासचिव मुफ्ती अब्दुस सलाम कासमी ने कहा, जावेद अख्तर की कुछ हालिया टिप्पणियों ने मुसलमानों के एक वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। हमारा मानना है कि एक अल्पसंख्यक संस्थान होने के नाते, पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी किसी ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित कर सकती है जिसने आम धर्मनिष्ठ मुसलमानों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाई हो।

गाजा में इजराइल के हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत

❍ गाजा सिटी और जबालिया शरणार्थी शिविर में धमाकों की आवाज सुनायी दी

एजेंसी (हि.स.)
इजराइल गाजा

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), दो सितंबर (एपी) इजराइल ने सोमवार को गाजा पट्टी में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 31 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

फोटोः हि.स.

इजराइल का कहना है कि उसके निशाने पर केवल आतंकवादी हैं और वह नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है क्योंकि वह घनी आबादी वाले इलाकों में छिपकर काम करता है ।ढवहीं, विशेषज्ञों एक संगठन ने आरोप लगाया कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है ।गाजा सिटी और जबालिया शरणार्थी शिविर में धमाकों की आवाज सुनायी दी। निवासियों ने बताया कि विस्फोटक से लैस रोबोट्स ने कई इमारतें ध्वस्त कीं

गाजा में अस्पतालों ने बताया कि सोमवार को इजराइली हमले में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गयी और उनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं व बच्चे हैं। गाजा सिटी में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि अब तक 63,557 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और 1.6 लाख से अधिक घायल हुए हैं। इस बीच, नरसंहार पर अध्ययन कर रहे विशेषज्ञों के एक पेशेवर संगठन ने कहा कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है। वहीं, इजराइल ने इस आरोप को हमास की झूठी मुहिम बताते हुए खारिज कर दिया।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग बीजिंग रवाना

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपनी विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर प्योंगयांग से चीन के लिए मंगलवार को रवाना हो गए। वे बीजिंग में बुधवार को होने वाली 'विक्ट्री डे' परेड में हिस्सा लेंगे। चीन के इस परेड में किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक मंच पर नजर आएंगे। उत्तर कोरिया स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कोरियाई वर्कर्स पार्टी के महासचिव और कोरियाई लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 1 सितंबर को अपनी ट्रेन से प्योंगयांग से रवाना हुए। उनकी ट्रेन 2 सितंबर की सुबह सीमा पार कर गई। किम जोंग के साथ कोरियाई पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय समिति और डीपीआरके सरकार के प्रमुख अधिकारी यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा में 24 घंटे तक का समय लग सकता है और वे मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने बीजिंग की यात्रा के लिए एक घंटे की उड़ान के विकल्प को छोड़कर प्योंगयांग से बीजिंग तक ट्रेन में लगभग 24 घंटे के सफर को चुना। किम जोंग उन की इस विशेष ट्रेन का आधिकारिक नाम- तायांग-हो- है।

एनएचएम के हड़ताली कर्मचारियों को छत्तीसगढ़ सरकार दी चेतावनी

❍ कार्य पर लौटने को कहा, बर्खास्तगी की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विरोध प्रदर्शन में शामिल हड़ताली कर्मचारियों को बर्खास्तगी की चेतावनी जारी करते हुए आज शाम तक काम पर लौटने को कहा है। इससे पहले कल सोमवार को एनएचएम संघ के अध्यक्ष दिलीप मिरी को ज्वाइंट हेल्थ डाइरेक्टर की तरफ से नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस में उन्हें 24 घंटे के भीतर कार्यस्थल पर लौटने के निर्देश दिए गए है। नोटिस में उल्लेख है कि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश एन. एच. एम. कर्मचारी संघ के आह्वान पर आप दिनांक 18 अगस्त 2025 से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ के मांगों के संदर्भ में दिनांक 13.08.2025 को राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक के माध्यम से सक्षम स्तर पर निर्णय लिया जा चुका है तथा उक्त निर्णय के तारतम्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा आवश्यक निर्देश भी प्रभारित किये जा चुके है। नोटिस में आगे लिखा गया है कि, जिला स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा आपको हड़ताल से अपने कर्तव्य पर उपस्थित होने हेतु नोटिस जारी किये गये हैं जिसमें समयावधि में उपस्थित नहीं होने की दशा में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी जिसके अंतर्गत सेवा से पृथक किया जा सकता है, जिसके जिम्मेदार आप स्वयं होंगे। किन्तु आपके द्वारा आज दिनांक तक उपस्थिति नहीं दी गई है, जो कि लोकहित के विरूद्ध एवं पूर्णतः अनुचित है। संयुक्त संचालक की तरफ से कहा गया है कि, अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि इस अंतिम पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

हावड़ा-बर्दवान लोकल ट्रेन में आग, बाल-बाल बचे यात्री

एजेंसी (हि.स.)
हुगली

फोटोः हि.स.

सोमवार रात करीब नौ बजे हुगली स्टेशन पर खड़ी हावड़ा-बर्दवान लोकल ट्रेन में अचानक आग लगने से यात्रियों में दहशत फैल गया ।ट्रेन के दूसरे और तीसरे डिब्बे के बीच से अचानक धुआं और हल्की लपटें उठीं, जिन्हें देखते ही यात्री घबराकर फौरन ट्रेन से नीचे उतर गए। सूत्रों के अनुसार, जैसे ही ट्रेन अपने निर्धारित समय पर हुगली स्टेशन पहुंची, डिब्बों के बीच से धुआं और आग दिखाई दिया। तत्काल यात्रियों ने गार्ड को सूचना दी और कुछ ही देर में रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया। ट्रेन को कुछ समय तक रोका गया और आग पूरी तरह बुझने के बाद इसे सुरक्षित रूप से बर्दवान के लिए रवाना कर दिया गया। पूर्व रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी दीप्तिमय दत्ता ने बताया कि डिब्बों को जोड़ने वाले हिस्से में कई विद्युत तार होते हैं। किसी जगह ढीलापन आने पर घर्षण से स्पार्किंग हो सकती है, जिसके कारण यह आग लगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में थी और रेल सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा। एक यात्री के अनुसार, आग महिला डिब्बे और सामान्य डिब्बे के बीच लगी थी। अचानक उठी लपटों ने यात्रियों को डरा दिया, लेकिन चालक, गार्ड और रेलवे कर्मचारियों की तत्परता से आग तुरंत बुझा दी गई। राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और बड़ी दुर्घटना टल गई।

मराठा आरक्षण आंदोलन | मुंबई पुलिस ने किया नोटिस जारी

जरांगे को आजाद मैदान खाली करने को कहा

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

मुंबई पुलिस ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे और उनकी कोर टीम को मंगलवार को एक नोटिस जारी कर मुंबई का आजाद मैदान खाली करने को कहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी ।मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे जरांगे के आंदोलन का आज पांचवा दिन है।

पुलिस ने नोटिस में कहा कि इससे पूर्व दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 प्रदर्शनकारियों के जमा होने ही अनुमति दी गई थी, लेकिन महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से 40,000 से अधिक प्रदर्शनकारी पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पिछले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर दक्षिण मुंबई की सड़कों को जाम कर दिया और आजाद मैदान व आस-पास के इलाकों को जोड़ने वाली सड़कों पर 5,000 से ज्यादा वाहन खड़े कर दिए, जिससे भारी यातायात जाम हो गया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर खाना पकाया, नहाया, नाचे-गाए और सार्वजनिक जगहों पर क्रिकेट खेला, जिससे आरक्षण आंदोलन के लिए पहले से तय शर्तों का उल्लंघन हुआ। उन्होंने बताया कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के कर्मियों ने सोमवार रात को आजाद मैदान से कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बाहर के चौक और संपर्क मार्गों की सफाई की, जहां आरक्षण आंदोलनकारियों का बचा हुआ खाना और कचरा बिखरा पड़ा था। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे का अनशन मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी है। मुंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को उनके समर्थकों से मंगलवार दोपहर तक मुंबई की सभी सड़कें खाली करने और सामान्य स्थिति बहाल करने को कहा है। एक अधिकारी ने बताया कि मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा आंदोलन-पूर्व निर्धारित की गई शर्तों का उल्लंघन किया इसलिए आजाद मैदान पुलिस ने जरांगे और उनकी कोर टीम को नोटिस जारी किया। अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस प्रदर्शन का आयोजन कर रही संस्था आमरण उपोषण और उसकी कोर टीम के आठ सदस्यों के नाम पर जारी किया गया है। आमरण उपोषण संस्था जालना जिले में जरांगे के पैतृक गांव अंतरवाली सराटी में स्थित है।

❍ जरांगे आंदोलन पांचवा दिन भी जारी रहा

फोटोः हि.स.

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा विभिन्न शर्तों का उल्लंघन किए जाने के कारण पुलिस ने आयोजकों को अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिन्होंने सोमवार को आंदोलन की अवधि बढ़ाने की मांग की थी। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करते हुए मुंबई पुलिस ने आयोजकों से जल्द से जल्द आजाद मैदान खाली करने को भी कहा ।जरांगे मराठों को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में भाग लेने के लिए समूचे महाराष्ट्र से उनके हजारों समर्थक ट्रकों और बसों में सवार होकर मुंबई पहुंच गए हैं।

राशिद खान ने रचा इतिहास

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

अफगानिस्तान की यूएई पर आसान जीत

एजेंसी (हि.स.)
शारजाह

अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सोमवार रात 38 रनों से हराकर त्रिकोणीय सीरीज में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में स्टार स्पिनर राशिद खान ने बड़ा कीर्तिमान रचते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

फोटोः हि.स.

26 वर्षीय राशिद ने 3 विकेट लेकर अपना आंकड़ा 165 पर पहुँचा दिया और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी (164 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। राशिद ने ईथन डिसूजा (12), आसिफ खान (1) और ध्रुव पाराशर (1) को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले अफगानिस्तान ने बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 188 रन बनाए। इब्राहिम जादरान (63 रन, 40 गेंद, 4 छक्के, 3 चौके) और सेदिकुल्लाह अतल (54 रन, 40 गेंद, 3 छक्के, 4 चौके) ने दूसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी की। अतल का यह पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक था।

अंत में करीम जनत (23*, 10 गेंद, 2 चौके, 2 छक्के) और अजमतुल्लाह उमरजई (20*, 12 गेंद, 2 छक्के) ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर स्कोर को मजबूती दी। यूएई के मुहम्मद रोहिद और सगीर खान ने 2-2 विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई ने कप्तान मुहम्मद वसीम (67 रन, 37 गेंद, 6 छक्के, 4 चौके) की आतिशी पारी से धमाकेदार शुरूआत की। उन्होंने 23वां टी20क अर्धशतक जमाया, लेकिन उनके आउट होते ही टीम की लय बिगड़ गई और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 150 रन ही बना सकी। इस जीत के बाद अफगानिस्तान ने सीरीज में वापसी की। पाकिस्तान पहले ही दोनों मैच जीत चुका है और अब मंगलवार को अफगानिस्तान से भिड़ेगा। तीनों टीमों को दो-दो मैच खेलने हैं, जबकि शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी।

मिचेल स्टार्क ने टी20 क्रिकेट को अलविदा कहा

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और टी20 प्रारूप में अपने कैरियर को विस्तार देने के लिये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिये मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। पैतीस वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिये हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिये उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिये नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैने आस्ट्रेलिया के लिये हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया। स्टार्क ने कहा, टी20 विश्व कप से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिये भी समय मिल जायेगा। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, मिचेल को अपने टी20 कैरियर पर गर्व होना चाहिये। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।

इमान खलीफ ने वर्ल्ड बॉक्सिंग के जेंडर टेस्ट नियम के खिलाफ सीएएस में की अपील

खलीफ आगामी प्रतियोगिताओं से बाहर जब तक वे अनिवार्य जेनेटिक सेक्स टेस्ट न कराए

एजेंसी (हि.स.)
लुसाने

पेरिस ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ ने वर्ल्ड बॉक्सिंग के उस निर्णय के खिलाफ अपील की है, जिसमें उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया गया है जब तक कि वे अनिवार्य जेनेटिक सेक्स टेस्ट न कराएं।

फोटोः हि.स.

स्पोर्ट्स के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीएएस) ने सोमवार को बताया कि खलीफ ने यह अपील पिछले महीने दायर की थी। हालांकि, सीएएस ने वर्ल्ड बॉक्सिंग के फैसले को तत्काल निलंबित करने की खलीफ की मांग को खारिज कर दिया है। इसका मतलब है कि वह इस हफ्ते शुरू होने वाली वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। खलीफ ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उस दौरान उन पर और चीनी ताइपे की लिन यू-टिंग पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे थे। दोनों को 2023 की वर्ल्ड चैंपियनशिप से पूर्व शासी निकाय इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) ने अज्ञात पात्रता परीक्षणों में विफल बताकर बाहर कर दिया था। हालांकि, आईबीए को लंबे समय से विवादों और कुप्रबंधन के कारण निलंबित कर दिया गया था।

इसके बाद आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) ने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में बॉक्सिंग का संचालन किया और पुराने जेंडर पात्रता नियमों के आधार पर खलीफ व लिन दोनों को खेलने की अनुमति दी। नए शासी निकाय वर्ल्ड बॉक्सिंग को 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए मान्यता मिल चुकी है। इसी बीच, उसने इस साल मई में सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य सेक्स टेस्टिंग की घोषणा की थी और इसमें विशेष रूप से खलीफ का नाम भी लिया था। हालांकि बाद में संगठन ने इस पर खेद जताया। खलीफ का लक्ष्य है कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में अपने वेल्टरवेट वर्ग का स्वर्ण पदक बचा सकें। वहीं, नई आईओसी अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री ने जेंडर पात्रता संबंधी मुद्दों पर विचार करने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित की है।

न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए, मार्कस स्टॉइनिस की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

एजेंसी (हि.स.)
मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें ऑलराउंडर मार्कस स्टॉइनिस की वापसी हुई है। उनके साथ मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और जेवियर बार्टलेट की भी टीम में वापसी हुई है, जिससे अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए स्टॉइनिस की दावेदारी मजबूत हो गई है।

36 वर्षीय स्टॉइनिस पिछले एक साल से न तो सेंट्रल और न ही स्टेट कॉन्ट्रैक्ट में थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी बार नवंबर 2024 में खेला था। इस साल फरवरी में उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन टी20 लीग्स में लगातार सक्रिय रहे। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स और द हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स के लिए अहम भूमिकाएं निभाईं और दोनों टीमों को फाइनल तक पहुँचाने में योगदान दिया।

फोटोः हि.स.

हालांकि, विश्व कप टीम में जगह बनाना स्टॉइनिस के लिए आसान नहीं होगा। मिडिल ऑर्डर ऑलराउंडर की भूमिका के लिए कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और मिच ओवेन भी दावेदार हैं। ग्रीन न्यूजीलैंड सीरीज में नहीं खेलेंगे क्योंकि वे घरेलू एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड क्रिकेट पर ध्यान देंगे। वहीं ओवेन चोट (कन्कशन) से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। मैथ्यू शॉर्ट भी चोट (साइड स्ट्रेन) से उबरकर टीम में वापसी कर रहे हैं। एलेक्स कैरी और आरोन हार्डी को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर चोटिल खिलाड़ियों की जगह मिली थी, लेकिन अब वे बाहर हो गए हैं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस पितृत्व अवकाश के कारण इस दौरे से अनुपस्थित रहेंगे।

यूएई कप्तान मुहम्मद वसीम ने तोड़ा रोहित शर्मा के छक्कों का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। शारजाह में सोमवार को खेले गए त्रिकोणीय श्रृंखला मुकाबले में यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वसीम ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर कप्तान सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यूएई की पारी के तीसरे ओवर में वसीम ने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब-उर-रहमान की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़कर यह उपलब्धि अपने नाम की। वसीम ने मैच में 37 गेंदों में 67 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 6 छक्के लगाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। यूएई टीम 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना सकी। मुहम्मद वसीम के नाम बतौर कप्तान अब टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 110 छक्के हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने सऊदी टूरिज्म कैंपेन का चेहरा

एजेंसी (हि.स.)
रियाद

सऊदी टूरिज्म अथॉरिटी (एसटीए) के उपभोक्ता ब्रांड 'सऊदी, वेलकम टू अरेबिया' ने अपना नया वैश्विक कैंपेन लॉन्च किया है, जिसमें दुनिया के फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो नजर आ रहे हैं। इस कैंपेन का नाम 'आई कम फॉर फुटबॉल, आई स्टेड फॉर मोर' रखा गया है, जो यह संदेश देता है कि सऊदी अरब सिर्फ खेलों का नहीं बल्कि मनोरंजन, संस्कृति और फैशन का भी बड़ा केंद्र बन चुका है।

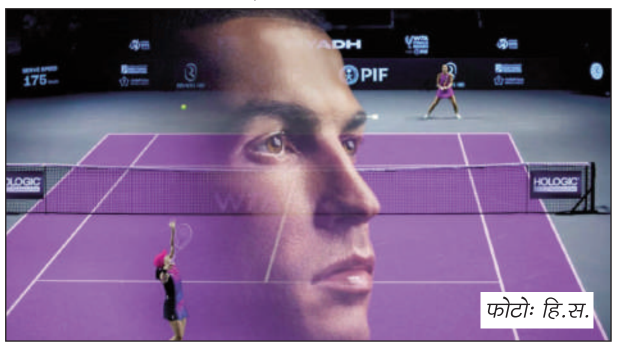
फोटोः हि.स.

फिल्मी अंदाज में तैयार किए गए इस कैंपेन में रोनाल्डो को सऊदी अरब के अलग-अलग इवेंट्स का अनुभव करते दिखाया गया है। शुरूआत में वे स्टेडियम में बैठे अपने खेल से अन्य खेलों की तुलना करते दिखते हैं और फिर रंगीन दृश्यों के बीच दर्शकों के जुनून और जोश को महसूस करते हैं। यह दिखाता है कि सऊदी अब वैश्विक खेल और सांस्कृतिक मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवा रहा है। यह कैंपेन सऊदी के सालभर चलने वाले विविध खेल और मनोरंजन कार्यक्रमों पर रोशनी डालता है, जो रियाद, जेद्दाह और अलउला में आयोजित होते हैं। इनमें फीफा वर्ल्ड कप 2034, एएफसी एशियन कप 2027, ई-स्पोर्ट्स ओलंपिक्स 2027 और एशियन विंटर गेम्स 2029 जैसे बड़े टूर्नामेंट शामिल हैं। साथ ही फॉर्मूला-1, ई-स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप, गोल्फ, टेनिस और सऊदी प्रो लीग जैसे नियमित आयोजनों से यह देश खेलों का वैश्विक केंद्र बन रहा है। सऊदी न केवल खेलों में बल्कि कला, फैशन और मनोरंजन में भी तेजी से उभर रहा है। रियाद फैशन वीक, रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, आर्ट्स बिएनाले और सीजन फेस्टिवल्स इसके कैलेंडर का अहम हिस्सा हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय कलाकार मंच साझा करते हैं। सऊदी के पर्यटन मंत्री अहमद अल खतीब ने कहा, 'सऊदी आज सांस्कृतिक असलियत, गर्मजोशी भरी मेहमाननवाजी और विश्वस्तरीय आयोजनों का अनोखा संगम बन चुका है। हम पर्यटकों को यादगार अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, सऊदी टूरिज्म अथॉरिटी के सीईओ फहद हमीदअद्दीन ने बताया कि 2018 से अब तक सऊदी 100 से अधिक बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स की मेजबानी कर चुका है और 2030 तक 150 मिलियन पर्यटकों का लक्ष्य रखा गया है।

भारत में होगा 2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत को एक बार फिर बैडमिंटन की दुनिया में बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन नई दिल्ली में किया जाएगा। इसका ऐलान पेरिस में चल रही मौजूदा विश्व चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर भारत के स्टार डबल्स जोड़ीदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कांस्य पदक जीता, जो उनकी विश्व चैंपियनशिप में दूसरी पदक उपलब्धि है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, ̈हम बीडब्ल्यूएफ का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने भारत को यह मेजबानी सौंपी। हम भरोसा दिलाते हैं कि भारत भी पेरिस की तरह उत्कृष्टता और भव्यता के उसी स्तर को आगे बढ़ाएगा। हम पूरी बैडमिंटन फैमिली का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

फोटोः हि.स.

भारत का विश्व चैंपियनशिप में प्रदर्शन

अब तक भारत ने विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में 15 पदक जीते हैं। इनमें से पांच पदक अकेले पीवी सिंधु ने जीते हैं– 1 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य। ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने 2 कांस्य पदक हासिल किए। किदांबी श्रीकांत ने 2021 में रजत जीता, जबकि साई प्रणीत, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय ने हाल के वर्षों में कांस्य पदक दिलाए। भारत के लिए इस प्रतियोगिता का पहला पदक 1983 में प्रकाश पादुकोण ने कोपेनहेगन में कांस्य जीतकर खोला था। वहीं, ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने 2011 में महिला युगल वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

स्वाद और सेहत दोनों में बेस्ट है मखाना भेल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर हेल्दी स्नैक्स की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी कुछ ऐसा ढूंढ रहे हैं जो स्वादिष्ट भी हो और सेहत के लिए फायदेमंद भी, तो मखाना भेल आपके लिए एकदम परफेक्ट है। यह कुरकुरी, चटपटी और झटपट तैयार होने वाली रेसिपी है जो आपको जरूर पसंद आएगी।

सामग्री

- 1 कप मखाना
- ꙍ कप बारीक कटा प्याज
- ¼ कप बारीक कटा टमाटर
- 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई, स्वादानुसार)
- 2 चम्मच हरी चटनी
- 2 चम्मच मीठी चटनी
- 1 चम्मच नींबू का रस
- ¼ चम्मच चाट मसाला
- बारीक कटा हुआ हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार
- थोड़ी-सी सेव (गार्निश के लिए)

विधि

- मखाना भेल बनाने के लिए सबसे पहले, एक पैन में 1 चम्मच घी या तेल गरम करें और उसमें मखाना डालकर धीमी आंच पर कुरकुरा होने तक भूनें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि यह जले नहीं।
- जब मखाना कुरकुरा हो जाए, तो इसे एक बड़े कटोरे में निकाल लें।
- अब इसी कटोरे में कटा हुआ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया डालें।
- ऊपर से हरी चटनी, मीठी चटनी, नींबू का रस और चाट मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- आखिर में नमक डालें और हल्के हाथों से मिलाएं ताकि मखाना टूटे नहीं।
- आपकी चटपटी और कुरकुरी मखाना भेल तैयार है। इसे तुरंत सेव और हरे धनिये से सजाकर परोसें।

बारिश के मौसम में कुछ चटपटा खाने का है मन तो बनाए स्प्रिंग रोल

बरसात के मौसम में अगर आपको कुछ भी चटपटा और क्रिस्पी खाने का मन है तो आप स्प्रिंग रोल बना सकती हैं। ये चाय के साथ बहुत स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाना भी बहुत आसान है।

विधि

- सबसे पहले मैदा, कॉर्नफ्लोर और नमक मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार कर लें।
- अब नॉन-स्टिक तवे पर थोड़ा सा घोल डालकर पतली शीट सेंक लें।
- ऐसे ही 8 से 10 शीट तैयार कर लें।
- कड़ाही में तेल गरम करें।
- अब अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर हल्का भून लें।
- अब गाजर, पत्ता गोभी, शिमला मिर्च डालकर तेज आंच पर दो से तीन मिनट तक भून लें।
- सोया सॉस, हरी मिर्च सॉस, टोमैटो सॉस, नमक और काली मिर्च डालकर मिला लें।
- अब गैस बंद कर दें और हरा प्याज डाल दें।
- इसके बाद एक शीट लें, उसके बीच में स्टफिंग रखें।
- किनारों पर मैदे का घोल लगाकर अच्छे से बंद करके रोल बना लें।
- अब गर्म तेल में सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।
- इसके बाद गरमागरम स्प्रिंग रोल्स को चिली सॉस या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

सामग्री

मैदा एक कप ❑ कॉर्नफ्लोर दो बड़े चम्मच ❑ नमक स्वादानुसार ❑ तेल तलने के लिए ❑ स्टफिंग के लिए पत्ता गोभी (कद्दूकस की हुई) एक कप ❑ गाजर (कद्दूकस की हुई) आधा कप ❑ शिमला मिर्च (बारीक कटी) आधा कप ❑ प्याज (बारीक कटा हुआ) एक मीडियम ❑ हरा प्याज दो बड़े चम्मच ❑ अदरक-लहसुन पेस्ट एक छोटा चम्मच ❑ सोया सॉस एक बड़ा चम्मच ❑ हरी मिर्च सॉस एक छोटा चम्मच ❑ टमाटर सॉस एक बड़ा चम्मच ❑ नमक स्वादानुसार ❑ काली मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच ❑ तेल दो बड़े चम्मच

स्वाद और सेहत का कमाल का कॉम्बिनेशन है उत्तपम

उत्तपम एक बहुत ही फेमस साउथ इंडियन डिश है, जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए ही फायदेमंद होता है। यह ब्रेकफास्ट के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। इसे नारियल या टमाटर की चटनी के साथ खाना काफी लजीज लगता है। अगर आप भी ब्रेकफास्ट के लिए उत्तपम बनाना चाहते हैं, तो यहां पढ़ें इसकी आसान रेसिपी।

विधि

- सबसे पहले, अगर आपके पास पहले से तैयार इडली/डोसा का बैटर है तो उसे अच्छी तरह चला लें। अगर बैटर बहुत गाढ़ा है तो थोड़ा पानी मिलाकर उसे थोड़ा पतला कर लें।
- अब सभी सब्जियों को धोकर बारीक काट लें।
- अब एक नॉन-स्टिक तवा को मध्यम आंच पर गर्म होने के लिए रख दें। अच्छी तरह गर्म होने पर उस पर थोड़ा सा तेल लगाएं और एक कटोरी में थोड़ा सा सादा पानी रख लें।
- तवा गर्म होने के बाद, एक कलछी की मदद से बैटर को बीच में डालें और धीरे-धीरे गोलाकार में फैला दें। इसे डोसा की तरह बहुत पतला और बड़ा न फैलाएं। इसकी मोटाई लगभग ꙇ इंच जितनी रखें।
- तुरंत ही, कटी हुई सब्जियों जैसे प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया को उत्तपम के ऊपर डालें। हल्के हाथ से थोड़ा दबा दें, ताकि वह बैटर में चिपक जाएं।
- अब आंच को मध्यम से धीमी कर दें। ऊपर से थोड़ा-सा तेल या घी चारों ओर और सब्जियों पर डाल दें। इससे किनारे कुरकुरे और सब्जियां अच्छी तरह पक जाएंगी।
- जब उत्तपम का निचला हिस्सा सुनहरा भूरा हो जाए और किनारे से उठने लगे, इसे पलट दें। दूसरी तरफ से भी इसे 1-2 मिनट तक पकने दें।
- अब एक छोटी कढ़ाही में थोड़ा सा तेल गर्म करें। उसमें राई डालें। जब वह चटकने लगे, तो करी पत्ता और हरी मिर्च डाल दें। इस तड़के को तैयार उत्तपम के ऊपर डाल दें।
- गर्मागर्म उत्तपम को तवे से उतार लें। इसे कोकोनट चटनी, सांभर या टमाटर की चटनी के साथ परोसें।

सामग्री

3 कप इडली/डोसा का बैटर ❑ 1/2 कप बारीक कटा प्याज ❑ 1/4 कप बारीक कटी टमाटर ❑ 1/4 कप बारीक कटी हरी शिमला मिर्च ❑ 2-3 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई ❑ 2 बड़े चम्मच बारीक कटा हरा धनिया ❑ थोड़ा अदरक ❑ तेल या घी, राई, करी पत्ता ❑ स्वादानुसार नमक

पंचकूला जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए गंभीरता से कार्य करें अधिकारी:उपायुक्त मोनिका गुप्ता

मानसून सीजन में बाढ जैसी स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

संवाददाता

पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि मानसून के सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें ताकि किसी अनहोनी को होने से रोका जा सके। उपायुक्त मोनिका गुप्ता मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में बाढ नियंत्रण उपायों एवं उपलब्ध संसाधनों के संबंध में आयोजित अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी।

उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नदियों के जल स्तर के संबंध में लगातार अपडेट दें व लगातार मॉनिटरिंग कर सके जानकारी सांझा करें। उपायुक्त ने कहा कि अधीक्षक अभियंता, कार्यकारी अभियंता सहित सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पडे। उन्होंने कहा कि निगम व नगर परिषद क्षेत्र में नालों की लगातार सफाई करें ताकि पानी की निकासी सही तरीके से हो सके। जिले में बाढ की स्थिति बनने पर उससे निपटने के लिए उपायुक्त ने जिले में उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने जिला प्रशासन के पास, एनडीआरएफ के पास और सेना के पास उपलब्ध संसाधनों के बारे में जाना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हरदम तैयार रहे। उपायुक्त ने संबंधित विभागों से कालका में ड्रैनों व नालों की गई सफाई के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने लोगों से अपील की कि बारिश के दिनों में नदी नालों के पास ना जाए और एहतियात बरते ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। उन्होंने सिंचाई विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां खतरा ज्यादा है, वहां पर लोगों के न जाने संबंधी साईन बोर्ड संकेतक लगवाए। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस दौरान वे गश्त भी बढाए और ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र में नाके लगाए व लोगों को सचेत करें। उपायुक्त ने कहा कि जहां पर जलभराव होता है, वहां पर सिंचाई विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग संकेतक बोर्ड लगवाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस विभाग भी उक्त स्थानों पर नाके लगवाए व इन स्थानों पर लोगों को नहाने व नजदीक जाने से रोके।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम संयम गर्ग, नगर निगम संयुक्त आयुक्त गौरव चैहान, नगराधीश जागृति, डीआरओ कुलदीप सिंह, डीडीपीओ विशाल पराशर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी, नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यूनाइटेड सिखों द्वारा पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जोरों पर

संवाददाता

चंडीगढ़

यूनाइटेड सिख, जो कि संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अमेरिका आधारित एडवोकेसी समूह है, 13 अगस्त से पंजाब के विभिन्न इलाकों में बाढ़ राहत कार्य चला रहा है, जब सबसे पहले फि रोजपुर जिले के क्षेत्रों में पानी घुसा था।

हमारे संगठन द्वारा इस समय अजनाला, डेरा बाबा नानक, रमदास, गुरदासपुर और फि रोजपुर में राहत कैंप चलाए जा रहे हैं, पंजाब में यूनाइटेड सिख्स का प्रतिनिधित्व कर रहे और राहत कार्यों का संचालन कर रहे सरदार अमृतपाल सिंह ने कहा।

उन्होंने बताया कि हमने हजारों परिवारों को बाढ़ग्रस्त गाँवों से सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है, विशेष रूप से गुरुद्वारों, धर्मशालाओं और सामुदायिक केंद्रों में, और साथ ही लंगर की सेवा भी की जा रही है। दिन-रात लगभग एक दर्जन नावें चल रही हैं, जो बाढ़ प्रभावित लोगों को 15 फीट तक डूबे इलाकों से बाहर निकाल रही हैं। गाँववाले कह रहे हैं कि यह स्थिति 1988 की बाढ़ से भी भयावह है। फि रोजपुर में सेवा कर रहे यूनाइटेड सिख्स के स्वयंसेवक सरदार देविंदर सिंह ने कहा, हम इस समय बचाव कार्यों में लगे हुए हैं और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी दवाइयाँ तथा ताजा बना हुआ भोजन पहुँचा रहे हैं।

सरदार अमृतपाल सिंह ने बताया कि जब बाढ़ का पानी घटेगा तो हमारा ध्यान साबुन, डिटर्जेंट, मच्छर भगाने की दवाइयाँ और मच्छरदानियाँ उपलब्ध कराने पर होगा, क्योंकि पानी घटने के बाद महामारी फैलने का खतरा होता है, जो बाढ़ से भी ज्यादा गंभीर हो सकता है।

डेरा बाबा नानक में स्वयंसेवकों के अनुसार, यूनाइटेड सिख ने डीफॉगिंग मशीनों की भी व्यवस्था की है ताकि मच्छरों और अन्य कीड़ों की पैदाइश को रोकने के लिए दवाइयों का छिड़काव किया जा सके।

सरदार अमृतपाल सिंह के अनुसार, यूनाइटेड सिख्स के विश्वभर में कार्यरत सभी समूह पंजाब और पंजाबियों की सहायता के लिए सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा, हमारे अधिकांश स्वयंसेवक सिख और पंजाबी हैं, जो दुनिया में कहीं भी किसी प्राकृतिक आपदा के समय मानवता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं और पंजाब उनके लिए हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रहता है।

सरदार अमृतपाल सिंह ने आगे जानकारी देते हुए कहा, हमारे पास किसानों की सहायता के लिए योजना और सामग्री तैयार है, पानी पूरी तरह से घटने के बाद हम खेतों की सफाई (डी-सिल्टिंग) के लिए डीजल और रबी फसलों के बीज उपलब्ध कराएँगे।

खाटू श्याम महिला मण्डल द्वारा गणपति महोत्सव धूम धाम से मनाया

संवाददाता

चंडीगढ़

खाटू श्याम महिला मण्डल की और से गणेश महोत्सव का भव्य कार्यक्रम का आयोजन रामलीला ग्राउंड सेक्टर 7 चंडीगढ़ में किया गया इस अवसर मण्डल अध्यक्ष अनु रत्ता ने बताया पर्यावरण के अनुकूल गणेश प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम के अवसर एक शोभा यात्रा मण्डल की सभी सदस्यों के साथ सेक्टर 7 की सभी सेक्टर की गालिओ से होते हुए शोभा यात्रा रामलीला मैदान मे पहुंची इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुंदन लाल उनियाल पूर्व प्रधान गढ़वाल सभा, अमित गोयल चेयरमैन रामलीला कमेटी,और कंबाला गौशाला से प्रकासी देवी पम्मी और एवं मण्डल के समस्त सदस्यों के द्वारा श्री गणेश जी की इको फ्रेंडली प्रतिमा का विसर्जन रामलीला ग्राउंड के परिसर में पानी का कुण्ड बना कर विधि विधान से किया गया ।कार्यक्रम उपरांत विसर्जन का जल गमलो, पौधों मे दिया जायेगा।

उड़ान ने भरी उड़ान: स्कूल खेलों में वॉलीबॉल के माध्यम से परिवर्तन

संवाददाता

चंडीगढ़

भारत में जमीनी स्तर पर खेलों को नई दिशा देने की दिशा में आज चंडीगढ़ में उड़ान झ्र स्कूल वॉलीबॉल कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना और विद्यालय स्तर पर वॉलीबॉल को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रशासन तथा वॉलीबॉल फाउंडेशन के बीच सहमति पत्र का आदान-प्रदान हुआ, जो खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए अवसर उपलब्ध कराने की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

समारोह में विशिष्ट अतिथियों में श्री फाबियो अजेवेदो, श्री स्टीव टटन, जनरल स्पोर्ट्स डायरेक्टर, सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव, खेल एवं शिक्षा, चंडीगढ़ प्रशासन; श्री हरसुहिंदर पाल सिंह बराड़, निदेशक शिक्षा; श्री सौरभ कुमार अरोड़ा, निदेशक खेल, चंडीगढ़ प्रशासन तथा भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एवं एबिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक श्री अभिनव बिंद्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो इस पहल के पीछे मजबूत सामुदायिक भावना का प्रमाण है। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए श्री अभिनव बिंद्रा ने कहा कि उड़ान केवल एक खेल कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो पहुंच, सशक्तिकरण और प्रेरणा पर आधारित है। वॉलीबॉल केवल खेल नहीं है, यह अनुशासन, टीमवर्क और आत्मबल का मार्ग है जो बच्चों को जीवनभर सशक्त बनाएगा।

कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों की प्रेरणादायक कहानियां, रचनात्मक कला प्रस्तुतियां तथा सरकारी मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 23-ए को वॉलीबॉल उपकरणों का सांकेतिक वितरण किया गया। यह पहल चंडीगढ़ के सभी 108 सरकारी विद्यालयों में नेट और बॉल वितरित करने के व्यापक संकल्प की शुरूआत का प्रतीक बनी। विशिष्ट अतिथियों के बीच उपहारों का सांकेतिक आदान-प्रदान भी हुआ, जो सम्मान, एकता और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की शक्ति का प्रतीक रहा।

दिन का समापन श्री फाबियो अजेवेदो और श्री अभिनव बिंद्रा के बीच फायरसाइड चैट के साथ हुआ, जिसमें विद्यालयों के बच्चों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने जीवंत प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भागीदारी की। यह संवाद न केवल प्रेरणादायक रहा, बल्कि उड़ान के मिशन–खेलों के माध्यम से सपनों को प्रज्वलित करना और भविष्य के चैम्पियन तैयार करना–को और सशक्त बना गया।

उड़ान स्कूल वॉलीबॉल कार्यक्रम एबिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट, वॉलीबॉल फाउंडेशन और चंडीगढ़ प्रशासन की संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय प्रणाली में वॉलीबॉल को शामिल करना है, जिसके अंतर्गत शिक्षकों का प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को सशक्त बनाना और खेल अवसंरचना तक उनकी पहुंच को बढ़ाना शामिल है–ताकि युवा शिक्षार्थियों में फिटनेस, टीमवर्क और उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित हो सके।

संक्षिप्त-समाचार

पच्चीस हजार की रिश्वत लेने के आरोप में अधिकारी पर केस दर्ज

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद द्वारा शिकायकर्ता की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए कल दिनांक 1.9.2025 को आरोपीयान ई.ए.एस.आई. संजय कुमार न. 111/फरीदाबाद, सी.आई.ए. स्टाफ, सैक्टर-65, फरीदाबाद को शिकायतकर्ता से 25,000/-(पच्चीस हजार रुपए) नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त सी.आई.ए., सैक्टर-65, फरीदाबाद में ही तैनात आरोपी मुख्य सिपाही खालिद न. 2671/फरीदाबाद व मुख्य सिपाही फारूख न. 1186/फरीदाबाद को भी उनके विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य होने पर इस मामले में गिरफ्तार किया गया तथा आरोपीयान के विरूद्ध अभियोग संख्या 24 दिनांक 1.9.2025 धारा 7 पी.सी. एक्ट थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद में दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने एसवी एण्ड एसीबी फरीदाबाद को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी अज्जी कॉलोनी, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद में कबाड़ी की दूकान है। उसकी दूकान पर सी.आई.ए. स्टाफ, सैक्टर-65, फरीदाबाद के 3/4 पुलिस कर्मचारी सादा कपडों में सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी में आये और उसके पिताजी को कहने लगे कि उन्होंने एक चोरी के मामले में एक चोर को पकडा. है, जिसने आपकी दूकान पर लोहे का चोरी का सामान बेचने बारे बतलाया है। आरोपी पुलिस कर्मचारी उपरोक्त उसके पिताजी को पुछताछ के नाम पर अपने साथ ले गये। इस सम्बन्ध में शिकायतकर्ता अपने पिताजी के दोस्त के साथ सी.आई.ए. स्टाफ, सैक्टर-65, फरीदाबाद गया तो उसे गेट पर रोक दिया तथा उसके अंकल को अन्दर जाने के लिए बोला गया। जहां आरोपी ई.ए.एस.आई. संजय ईन्चार्ज, मुख्य सिपाही खालिद व मुख्य सिपाही फारूख, सी.आई.ए. स्टाफ, सैक्टर-65, फरीदाबाद द्वारा उसके पिताजी को चोरी के मामले में गिरफ्तार न करने की एवज में 1,00,000/- रुपए रिश्वत की मांग की गई। आरोपियों से बार-बार अनुरोध करने पर 25,000/-रुपए नकद बतौर रिश्वत लेने बारे सहमति दी गई।

इन्द्रियों का निग्रह ही मोक्षमार्ग की आधारशिला है : ब्रह्मचारिणी लब्धि दीदी

चंडीगढ़। श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27-बी, चंडीगढ़ में दशलक्षण महापर्व के छठे दिन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। आज का दिन उत्तम संयम धर्म को समर्पित रहा। प्रातःकाल कार्यक्रम का शुभारंभ मंगल अभिषेक एवं पूजन से हुआ। आज के अभिषेक का सौभग्य अलोक जैन, रोपड़ को प्राप्त हुआ, द्वितीय शांति धारा राजीव जैन सेक्टर 45,योगेश जैन एवं जैन युवा ग्रुप ने की। तत्पश्चात दशलक्षण विधान हुआ जिसमें सोधरमेंद्र प्रमोद जैन सेक्टर 20, यज्ञनायक अशोक जैन हैल्लो माजरा और कुबेर इंद्र अमित जैन सेक्टर 29 रहे. विधान का समापन प्रातः 11 बजे हुआ, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सात्विक भोजन ग्रहण किया। ब्रह्मचारिणी लब्धि दीदी ने अपने प्रवचन में बताया कि उत्तम संयम धर्म का अर्थ है झ्र इन्द्रियों और मन को नियंत्रण में रखना। भोग-विलास, आसक्ति और वासनाओं से दूर रहकर आत्मा की ओर अग्रसर होना ही वास्तविक संयम है। संयम मनुष्य को दृढ़, शांति-प्रिय और आत्मिक उत्थान की ओर ले जाता है। इन्द्रियों का निग्रह ही मोक्षमार्ग की आधारशिला है। संध्याकालीन कार्यक्रम का आरंभ 3:30 बजे धुप खेवन से हुआ। आज का दिन जैन धर्म में धुप दशमी के रूप में मनाया जाता है। धूप दशमी जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है, जो भाद्रपद शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इसे धूप दशमी या अनंत दशमी भी कहा जाता है। यह पर्व विशेष रूप से भगवान वासुपूज्य स्वामी (पहले तीर्थंकर, जिन्होंने शरीर त्याग किया) की स्मृति और उनके निर्वाण कल्याणक से जुड़ा हुआ है। धूप अर्पण की परंपरा झ्र इस दिन जैन समाज मंदिरों में भगवान की प्रतिमा पर विशेष प्रकार की धूप (अगर, धूप, गंध, सुगंधित द्रव्य) अर्पित करता है। इसका प्रतीकात्मक अर्थ है कि जैसे धूप जलकर सुगंध फैलाती है, वैसे ही हमें अपने जीवन में त्याग और तपस्या से आत्मा को शुद्ध करना चाहिए। अहिंसा और संयम का संदेश झ्र धूप दशमी का मुख्य उद्देश्य आत्मा को पवित्र बनाना और सांसारिक आसक्ति से दूर होकर संयमित जीवन जीने की प्रेरणा देना है।

श्लोकोच्चारण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

संवाददाता

पंचकूला

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के महाराजा दाहिर सेन सभागार में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में श्लोकोच्चारण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में अध्यक्ष, डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री, कार्यकारी उपाध्यक्ष, अकादमी, विशिष्ट अतिथि, मनजीत सिंह, सदस्य सचिव, अकादमी, डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी, निदेशक, हिंदी एवं हरियाणवी प्रकोष्ठ तथा डॉ. सी.डी.एस. कौशल, निदेशक, संस्कृत प्रकोष्ठ ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्कृत के दो श्लोकों को हिन्दी में समझाते हुए कहा कि आलसी को विद्या नहीं आ सकती और जिसके पास विद्या नहीं होती, उसके पास धन नहीं आता, परन्तु सभी धन के कारण ही मित्र बनते हैं। उनका मानना है कि मनुष्य विद्या से तो युक्त हो परन्तु उसका स्वभाव भी साधु होना चाहिए। अच्छे स्वभाव वाला मनुष्य कुल को इस प्रकार प्रसन्न रखता है जैसे कि चांदनी सारी रात को रोशन करती है। उन्होंने एक छोटी सी कहानी के माध्यम से बताया कि कैसे राजा भोज एक दिन लकड़हारा लकड़िया लेकर जा रहा था कि राजा ने लकड़हारे से पूछ लिया कि आपको भार तो नहीं लग रहा। लकड़हारे ने बोला कि आपने जो संस्कृत भाषा का गलत उच्चारण किया उससे ही दबा जा रहा हूँ। उनका मत है कि पहले संस्कृत भाषा बोलचाल की भाषा थी तथा सभी को आती थी।

कार्यक्रम में मनजीत सिंह, सदस्य सचिव, अकादमी ने भी अपनी शुरूआत श्लोकोच्चारण से की। उन्होंने कहा कि सुख मित्र से ही प्राप्त होता है, अगर मित्र से ही सुख मिलता तो व्यक्ति अपूर्ण है उसको पूर्णता को आगे ले जाने के लिए कुछ अच्छे मित्रों की आवश्यकता होती है। दूसरी बात में उन्होंने कहा कि अगर हम कोई अच्छा काम या किसी की मदद आदि नहीं करते हैं तो हम मनुष्य रूप में पशु की तरह जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उनका मानना है कि सुख मित्रों के साथ ही सीमित नहीं है, अगर हम कुछ भी करें अच्छा करें। प्रतियोगिताओं में मुक्तिनाथ वेद विद्याश्रम संस्कृत गुरुकुल श्री माता मनसा देवी, श्री रामनन्दाब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय, विराट नगर पिंजौर, महाराजा प्रताप नैशनल कॉलेज, मुलाना, अम्बाला, श्री माता मनसा देवी राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14, पंचकूला तथा राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1, पंचकूला के इन छह संस्कृत संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

श्लोकाच्चारण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देवानुज मिश्र, द्वितीय स्थान ध्रुव शर्मा तथा तृतीय स्थान शिवानी ने हासिल किया तथा सांत्वना पुरस्कार आकाश पांडे व पार्थ गौतम को मिला। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवा तिवारी व दिव्यांश कालिदास टीम, द्वितीय स्थान अंजलि व आशु बाण टीम, तृतीय स्थान उमंग व प्राची वाल्मीकि टीम ने प्राप्त किया तथा सांत्वना पुरस्कार भवभूति टीम में अतुल शर्मा व राहुल शर्मा ने प्राप्त किया। डॉ. चितरंजन दयाल सिंह कौशल, निदेशक, संस्कृत प्रकोष्ठ ने अपना एक श्लोक प्रस्तुत किया तथा उन्होंने कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों व बच्चों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिभा वर्मा व डॉ. राजबीर ने किया।

चंडीगढ़ प्रशासन में एक बार ही मिलेगा आउट ऑफ टर्न आवास आबंटन का लाभ

संवाददाता

चंडीगढ़

- प्रशासन ने किया सरकारी आवास आबंटन नियमों में संशोधन

चंडीगढ़ प्रशासन में आउट ऑफ टर्न (क्रम से हटकर) आवास आबंटन का लाभ किसी आवेदक को केवल एक बार ही दिया जाएगा। अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी एक बार इस सुविधा का लाभ ले चुका है तो उसे पुनः इसका लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि, यदि वह स्थानांतरण के चलते गैर-पात्र कार्यालय में जाने पर आवास को वापस कर देता है और बाद में पुनः उसका किसी पात्र कार्यालय में स्थानांतरण हो जाता है, तो वह इसका लाभ ले सकता है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने इस सम्बन्ध में हरियाणा के मुख्य सचिव को एक पत्र में बताया है कि प्रशासन द्वारा ह्लसरकारी आवास (चंडीगढ़ प्रशासन सामान्य पूल) आबंटन नियम, 1996ह्व में संशोधन संबंधी अधिसूचना जारी की गई है।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने हक से नीचे की श्रेणी के सरकारी आवास में रह रहा है तो उच्च श्रेणी के आवास के लिए आउट ऑफ टर्न आबंटन पर विचार किया जा सकता है। हालांकि ऐसा केवल तभी किया जाएगा जब वर्तमान आवास आबंटन को पाँच वर्ष पूरे हो चुके हों और वह कम-से-कम एक श्रेणी उच्च आवास के लिए पात्र हो और उसका वर्तमान आवास टाइप-6 या उससे नीचे का हो। अन्य सभी मामलों में आवास आबंटन केवल वरिष्ठता सूची के आधार पर ही किया जाएगा।

'ऑपरेशन आक्रमण': हरियाणा एनसीबी की बड़ी राज्यव्यापी कार्रवाई

संवाददाता

पंचकूला/मधुबन

हरियाणा को भयमुक्त और नशामुक्त बनाने की दिशा में हरियाणा पुलिस ने एक और निर्णायक कदम उठाया है। पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर के निर्देशों पर 31 अगस्त को पूरे प्रदेश में राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया, जिसमें नशा तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर व्यापक और एक साथ करारा प्रहार किया गया।

इस विशेष अभियान का संचालन हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने किया। इसकी निगरानी ब्यूरो प्रमुख एवं महानिदेशक पुलिस श्री ओ.पी. सिंह, ने स्वयं की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि नशे की जड़ों को उखाड़ फेंकना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस अभियान ने यह साबित कर दिया है कि नशा बेचने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अभियान में पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र सिंह भोरिया, क्धर और पुलिस अधीक्षक श्री मोहित हांडा, ने अपनी टीमों का नेतृत्व करते हुए पूरे राज्य में छापेमारी कर इसे सफलता तक पहुँचाया।

इस ऑपरेशन में ब्यूरो की 27 टीमें, लगभग 130 पुलिसकर्मी और 15 नार्को डॉग्स शामिल रहे। कार्यवाही के दौरान कुल 12 मुकदमे दर्ज किए गए जिनमें 10 मामले मध्य मात्रा और 2 स्मॉल मात्रा के थे। इस कार्रवाई में 13 आरोपी गिरफ्तार किए गए और उनके कब्जे से 21.088 किलोग्राम गांजा, 69.88 ग्राम हेरोइन और 820 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। इसके अतिरिक्त 10,000 रुपये का एनडीपीएस इनामी अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में आया। ऑपरेशन के दौरान नार्को डॉग्स की सहायता से 61 संदिग्ध स्थानों की चेकिंग की गई और 52 आदतन अपराधियों की गहन जांच-पड़ताल भी की गई।

इस राज्यव्यापी ड्राइव ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा सरकार और एनसीबी नशे की जड़ों को खत्म करने के लिए पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध हैं। तस्करों तक यह बात साफ पहुँच चुकी है कि अब प्रदेश में उनके लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं बची है।

एनसीबी ने आमजन से भी अपील की है कि वे इस मुहिम में सक्रिय भागीदार बनें और यदि कहीं नशे का कारोबार दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल ठउइटअठअर.ऋइश.क्ठ या हरियाणा एनसीबी टोल फ्री नंबर 90508-91508 पर दें। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना को लेकर जिला स्तरीय कमेटी की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

मॉडल सोलर गांव बनने वाले गांवों को केंद्र द्वारा एक करोड की दी जाएगी सहायता

संवाददाता

पंचकूला

- उपायुक्त ने जिलावासियों से सोलर ऊर्जा लगवाकर केंद्र व राज्य सरकार की सब्सीडी का लाभ उठाने व बिजली के बिलों में कमी लाने करी अपील

उपायुक्त मोनिका गुप्ता की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना को लेकर जिला स्तरीय कमेटी की बैठक हुई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिलावासियों को जागरूक कर प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि योजना के दिशा-निर्देशों अनुसार चयनित सभी गांवों को छह मास की प्रतियोगिता अवधि के दौरान जन भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए तथा राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक से अधिक कार्य करना है तथा सौर ऊर्जा उपकरणों को स्थापित करना है। उसके लिए रायपुररानी, बरवाला का चयन किया गया है। इन गावों में सबसे ज्यादा जो सोलर गांव में लगवाएगा, उस गांव को मॉडल गांव बनने का मौका मिलेगा। इसके लिए मई 2025 से नवंबर 2025 तक प्रतियोगिता शुरू की गई है। प्रतियोगिता अवधि समाप्त होने के बाद गांवों का आंकलन जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाएगा तथा जो गांव सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में सबसे प्रथम स्थान प्राप्त करेगा, उसे मॉडल सोलर गांव घोषित किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा उस गांव को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उपायुक्त ने सोलर ऊजो को लेकर जिले में कैंप लगाकर जिलावासियों को सोलर ऊर्जा के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी व ज्यादा से ज्यादा सब्सीडी की जानकारी मिले और लोग इसका इस्तेमाल कर धन की बचत कर सके। उपायुक्त ने यूएचवीबीएन के अधीक्षक अभियंता को इस योजना के प्रचार प्रसार के लिए सार्वजनिक स्थल पर बैनर लगवाने के निर्देश दिए।

यूएचवीबीएन के अधीक्षक अभियंता श्री सुधाकर तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा सोलर ऊर्जा लगवाने वाले जिलावासियों को केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा सब्सीडी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार 1 से 10 किलोवाट तक का सोलर ऊर्जा लगवाने वाले व्यक्ति को सब्सीडी प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले अन्त्योदय परिवारों को 2 किलोवाट का सोलर ऊर्जा लगवाने पर 60 हजार रुपये केंद्र सरकार व 50 हजार रुपये राज्य सरकार सब्सीडी के रूप में देगी। इसके अलावा सोलर 2 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाने वाले अन्त्योदय परिवार को सोलर ऊर्जा इन्स्टूमेंट 1 लाख 30 हजार रुपये का इन्स्टाल होकर लगता है।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम संयम गर्ग, डीडीपीओ विशाल पराशर, परियोजना अधिकारी राजेंद्र कुमार, यूएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता आशीष चोपड़ा, पिंजौर के एक्शन ललित अत्री, सोलर कमेटी के गैर सरकारी सदस्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।